Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 49
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00

गुरूवार,18 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे दूरदर्शी व लोकप्रिय
4 नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव
5 मेरे करियर, कपड़ों और रिश्तों पर हमेशा जज किया

देश की मां और बहनों के लिए पीएम की खास सौगात

शुरू की योजना

धार (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के धार से श्स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत देशभर में महिलाओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जो 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक चलेगा। इन शिविरों में महिलाओं को मुफ्त जांच और दवाइयों की सुविधा मिलेगी, ताकि गंभीर बीमारियों को शुरूआती दौर में ही पकड़ा जा सके।सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, धार की धरती हमेशा से प्रेरणा का स्त्रोत रही है। आज का यह आयोजन नारी शक्ति को समर्पित है। यह कार्यक्रम धार से शुरू हो रहा है, लेकिन यह पूरे देश की माताओं और बहनों के लिए है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का आधार है। अगर मां ठीक रहती है, तो पूरा घर ठीक रहता है। लेकिन अगर मां बीमार पड़ जाए, तो परिवार की सारी व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं। इसलिए यह अभियान हमारी माताओं और बहनों के स्वास्थ्य को समर्पित है। पीएम मोदी ने कहा कि कई बीमारियां चुपके से आती हैं और जानकारी के अभाव में गंभीर रूप ले लेती हैं। इस अभियान के तहत ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कैंसर, एनीमिया और सिकल सेल रोग जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। उन्होंने महिलाओं से अपील की, षमैं एक बेटे और भाई के नाते आपसे अनुरोध करता हूं कि आप बिना संकोच इन शिविरों में जांच कराएं। इन शिविरों में जांच और दवाइयां पूरी तरह मुफ्त होंगी। आपका स्वास्थ्य हमारी तिजोरी से ज्यादा कीमती है। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत देशभर में एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), जिला अस्पतालों और अन्य सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में लगाए जाएंगे। इनमें गैर-संचारी रोगों, एनीमिया, सिकल सेल रोग की जांच और उपचार के साथ-साथ प्रसवपूर्व देखभाल, टीकाकरण, पोषण, मासिक धर्म स्वच्छता, जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर दिया जाएगा। शुरू की योजनामहिलाओं को स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, दंत चिकित्सा, त्वचा रोग और मनोचिकित्सा जैसी विशेषज्ञ सेवाएं मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, केंद्र सरकार के संस्थानों और निजी अस्पतालों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी। यह अभियान मातृ, शिशु और किशोर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर काम करेगा। पीएम मोदी ने कहा, मेरी माताओं और बहनों ने मुझे हमेशा आशीर्वाद दिया है। आप हमारी रक्षा कवच हैं। इस अभियान के जरिए हम चाहते हैं कि कोई भी महिला जानकारी के अभाव में बीमारी का शिकार न हो।

धामी ने दी पीएम को जन्मदिन की शुभकामनाएं, स्वच्छ उत्सव-2025 कार्यक्रम का किया शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को स्वच्छ उत्सव-2025 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया और सभी प्रदेशवासियों से स्वच्छता की मुहिम से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रदेश भर में सेवा स्वच्छता से संबंधित नियमित कार्यक्रम किए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित भी किए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्वच्छता की शपथ दिलाई और पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता रथ का फ्लैग ऑफ किया और पर्यावरण मित्रों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता आंदोलन ने देश को नए आयाम प्रदान किए हैं। स्वच्छ उत्सव-2025 भी इसी दिशा में एक संकल्प, एक आंदोलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ व स्वच्छ भविष्य का वचन है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के सपने को साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा हाल ही में राष्ट्रीय वायु कार्यक्रम के तहत घोषित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में नगर निगम देहरादून को देश में 19वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

शिक्षक नियुक्ति के लिए 90 छात्राओं का 65 किमी मार्च,रात भर चलकर जिला मुख्यालय पहुंचीं

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के एक स्कूल की 90 छात्राओं ने दो शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 65 किमी लंबा पैदल मार्च निकाला। वे अपने गांव से रात भर चलकर सुबह जिला मुख्यालय पहुंचीं। उनका आरोप था कि कई बार शिकायत करने के बाद भी स्कूल में शिक्षकों की भर्ती नहीं की जा रही थी।जिला मुख्यालय में जैसे ही छात्राएं अधिकरियों से मिलीं, प्रशासन को तुरंत शिक्षकों की नियुक्ति का आदेश देना पड़ा। स्कूल में दो महीने से भूगोल और राजनीतिक विज्ञान के शिक्षक नहीं थे। दरअसल, पाकके केसांग जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में दो महीने से भूगोल और राजनीतिक विज्ञान के शिक्षकों की कमी थी। छात्राओं ने बताया कि वे लगातार शिकायत कर रही थीं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। लड़कियां कक्षा 11 और 12 की छात्राएं हैं। उन्होंने रविवार को न्यांगनो गांव से मार्च शुरू किया और पूरी रात चलकर सोमवार सुबह लेम्मी पहुंचीं। छात्राओं ने कहा कि सुनवाई नहीं हो रही थी इसलिए उन्हें ये कदम उठाना पड़ा। जिसके बाद सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो गया है।

दुनियाभर के नेताओं ने दी पीएम मोदी को 75वें जन्मदिन की बधाई, बिल गेट्स से लेकर नेतन्याहू-सुनक तक ने जताया सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर दुनिया भर के नेताओं और दिग्गज हस्तियों ने शुभकामनाएँ दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सुनक और कई अन्य नेताओं ने मोदी को बधाई दी। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में मोदी को अपना ह्लअच्छा मित्रह्व बताया। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल की दोस्ती में मोदी ने बड़ी भूमिका निभाई है। नेतन्याहू ने कहा-ह्लमैं आपसे जल्द ही मिलने की उम्मीद करता हूँ, ताकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और ऊँचाई तक ले जा सकें। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भी वीडियो संदेश में मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की कामना की। उन्होंने कहा कि भारत की शानदार प्रगति और वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए साझा किए जा रहे नवाचार में मोदी का योगदान उल्लेखनीय है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि मोदी हमेशा उनके और ब्रिटेन के अच्छे मित्र रहे हैं। उन्होंने अपने वीडियो संदेश में बताया कि ह्लएक ब्रिटिश-भारतीय परिवार से होने के नाते भारत-ब्रिटेन रिश्ते मेरे दिल के करीब हैं।ह्व सुनक ने 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत यात्रा को भी याद किया और कहा कि यह भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को दशार्ने वाला ऐतिहासिक आयोजन था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज ने भारत के साथ मजबूत दोस्ती पर गर्व जताया और भारतीय समुदाय के योगदान को सराहा। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, म्यांमा के राष्ट्रपति मिन आंग हलिंग, गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली और डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने भी शुभकामनाएँ भेजीं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रेमलिन की वेबसाइट पर जारी संदेश में मोदी के व्यक्तिगत योगदान की सराहना की।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत बना दुनिया के लिए प्रेरणा: सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ से सेवा पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें समाज को जोड़ने वाले विविध रचनात्मक कार्य शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पावन जन्मदिन से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रही है। जो भारत कभी पिछलग्गू माना जाता था, लेकिन आज अपने आत्मविश्वास से दुनिया को प्रेरित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं हासिल की हैं। अर्थव्यवस्था, विरासत, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, नियुक्तियां, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन जैसे तमाम क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं, दलित और वंचित समाज को प्राथमिकता देने की वजह से हर नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। यही वजह है कि बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ पाए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत का सम्मान आज केवल घोषणा नहीं, बल्कि हकीकत है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला का भव्य मंदिर बना। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण वैश्विक जगत को आकर्षित कर रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का कायाकल्प हुआ है। महाकाल लोक का निर्माण और अन्य धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण नए भारत की पहचान बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों की स्मृतियों से जुड़े अनेक रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोविड काल के प्रबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया महामारी के सामने असहाय थी।

महाराष्ट्र में दो महिला नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया, हथियार और अन्य सामान बरामद

गढ़चिरोली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि गट्टा दालम के सदस्य एटापल्ली तालुका के मोडस्के गांव के जंगल में छिपे हुए हैं। पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आहेरी) सत्य साई कार्तिक की देखरेख में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इसमें आहेरी से पांच सी-60 कमांडो यूनिट, गट्टा जांभिया पुलिस पोस्ट के जवान और सीआरपीएफ की 191 बटालियन की कंपनी शामिल थी। इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया तभी नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सी-60 कमांडो ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, दो महिला नक्सलियों के शव मिले। एक एके-47, एक आधुनिक पिस्टल, जिंदा कारतूस, बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी है।

कर्नाटक को मांग के मुताबिक नहीं दी खाद, किसान परेशान:कांग्रेस

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप

बंगलूरू (एजेंसी)। कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में इस साल मानसून समय से पहले आ गया है। वर्षा सामान्य से लगभग तीन प्रतिशत अधिक रही है। इसके परिणामस्वरूप बुवाई का मौसम उम्मीद से पहले शुरू हो गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ने 114.40 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा है, जिससे 160.68 लाख टन खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की अनुमानित मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन है। जबकि यूरिया उर्वरक की 3.36 लाख मीट्रिक टन की कमी है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्यों को उसकी जरूरत के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से केंद्र सरकार ने कर्नाटक की मांग के अनुपात में उर्वरकों की आपूर्ति नहीं की है। अप्रैल से सितंबर 2025 तक कर्नाटक को मिलने वाला 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि केंद्र से आपूर्ति में इस कमी के कारण राज्य को उर्वरकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

आतंकवादियों के खिलाफ अभियान किसी के हस्तक्षेप की वजह से नहीं रुका: राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इन दावों को खारिज कर दिया कि ह्यऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक संघर्ष को रोकने के लिए उन्होंने हस्तक्षेप किया था। सिंह ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की वजह से निलंबित नहीं की गई। रक्षा मंत्री ने यहां ह्यहैदराबाद मुक्ति दिवसश समारोह में अपने संबोधन में कहा कि यदि भविष्य में कोई आतंकी हमला हुआ, तो ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू होगा। उन्होंने कहा, कुछ लोग पूछ रहे हैं कि क्या भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम किसी के हस्तक्षेप की वजह से हुआ? मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान किसी के हस्तक्षेप की वजह से नहीं रुका था। राजनाथ ने कहा, कुछ लोग भारत-पाक संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। किसी ने ऐसा नहीं किया। मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भी साफ किया था कि भारत ने इस मामले में तीसरे पक्ष की भूमिका खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि यह द्विपक्षीय मामला है और कोई तीसरा पक्ष इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

मैं चाय वाला हूं, चाय मैं पिलाऊंगा, मदन राठौड़ ने साझा किया दिलचस्प किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर देशभर से उन्हें शुभकामनाएँ और बधाइयाँ मिल रही हैं। राजनेताओं, भाजपा कार्यकताओं और उनके असंख्य समर्थकों के साथ-साथ आम नागरिक भी उनकी दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं। इस मौके पर भाजपा ने सोशल मीडिया पर मेरी मोदी कहानी नाम से एक अभियान शुरू किया, जिसमें लोग प्रधानमंत्री के साथ बिताए अपने अविस्मरणीय पलों को साझा कर रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एक रोचक और दयस्पर्शी घटना का जिक्र किया। मदन राठौड़ ने एक वीडियो में बताया कि उन्हें कई बार नरेंद्र मोदी के साथ समय बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब मोदी राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) थे, तब राठौड़ उनके कार्यालय गए थे। उनके साथ पाली के कुछ व्यापारी भी थे। राठौड़ ने बताया, जब मैं व्यापारियों को लेकर नरेंद्र मोदी जी से मिलने गया।

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को कुचला, 3 की मौके पर हुई मौत, 1 घायल

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। मानिकपुर थाना क्षेत्र में प्रयागराज-लखनऊ राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान में घुस गई, जिससे चार लोग इसकी चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। इस हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह हादसा तब हुआ जब कार चालक का तेज गति के कारण वाहन से नियंत्रण खो गया। अनियंत्रित कार सीधे सड़क किनारे स्थित एक दुकान से जा टकराई। हादसे के वक्त दुकान पर कई लोग मौजूद थे। दुर्घटना में मधु सोनकर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरविंद और शिल्पा समेत तीन अन्य लोगों को गंभीर हालत में रायबरेली के एम्स अस्पताल ले जाया गया। दुखद है कि इलाज के दौरान इनमें से दो और लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार चालक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस राजमार्ग पर अक्सर वाहन तेज रफ्तार से चलाए जाते हैं, जिससे इस तरह के हादसे होते रहते हैं।

'मां ने भारत और ब्रिटेन की न्यायिक व्यवस्था को धोखा दिया', महिला को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पारिवारिक विवाद मामले में एक महिला को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि बच्चे की कस्टडी पाने के लिए एक मां ने भारत और ब्रिटेन की न्यायिक व्यवस्था को धोखा दिया। इसका कारण वह बेहतर तरीके से जानती है। कोर्ट ने महिला के बेटे की कस्टडी उसके पिता को सौंपने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह मामला महिला और उसके पति के बीच विवाद को दिखाता है। इस विवाद से न केवल उनके वैवाहिक संबंध खराब हुए हैं, बल्कि उनके बच्चों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इनमें से एक बच्चा अपनी मां के साथ यूके में रह रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नवंबर 2010 में विवाह करने वाले दंपती के बीच संबंधों में लंबे समय से चल रही अनबन के कारण उनमें बच्चों से मिलने को लेकर विवाद और बढ़ गया। यह महज अहंकार का टकराव नहीं है, बल्कि चिंताजनक मानसिकता को दशार्ता है। यह नाबालिग बच्चों पर भारी पड़ सकता है। पीठ ने कहा कि इस परिस्थिति में हम यह सोचने पर मजबूर हैं कि बच्चों के कल्याण और हितों की सर्वोत्तम तरीके से रक्षा कैसे की जा सकती है? महिला के आचरण को लेकर पीठ ने कहा कि अपने बेटे को भारत में छोड़ते समय पिता को सूचित करना उसका प्राथमिक कर्तव्य था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसका कर्तव्य है कि वह ब्रिटेन के उच्च न्यायालय को यह बताए, जहां उसके पिता ने आवेदन दिया था कि लड़का वहां उसके साथ नहीं था। पीठ ने कहा कि इस तरह के आचरण के कारण पिता को यूके उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद लड़के के साथ वर्चुअल मुलाकात करने से वंचित रखा गया और उनको पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करनी पड़ी।

वर्तमान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का मूल्य 11.5 लाख करोड़ रुपए है: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,: रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज बेंगलुरु में सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी कंपनी, एआरएम के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एआई सर्वर, ड्रोन और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 2 नैनोमीटर के सबसे उन्नत चिप्स यहीं डिजाइन किए जाएंगे। अश्विनी वैष्णव ने कार्यालय के उद्घाटन के बाद कहा कि एआरएम की नई बेंगलुरु इकाई मोबाइल फोन सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए 2 एनएम चिप्स सहित अन्य चिप्स डिजाइन करेगी। उन्होंने इसे भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य सेमीकंडक्टर के साथ-साथ उनके लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों का डिजाइन और निर्माण करना है। यह एक बहुत लंबी और दूरदर्शी प्रक्रिया है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अगले 20 वर्षों के विजन के साथ, हमारे युवाओं और प्रतिभाशाली इंजीनियरों को दुनिया में सर्वोत्तम अवसर प्राप्त होंगे। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में प्रगति से सेमीकंडक्टर चिप्स की मांग दोगुनी हो रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में यह 11.5 लाख करोड़ रुपए का उद्योग है। निर्यात में आठ गुना वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के लिए प्रमुख निर्यात उत्पाद बन रहे हैं। मोबाइल फोन और लैपटॉप की असेंबली से शुरू हुआ यह सफर, अब उनके मॉडल, कंपोनेंट्स और तैयार सामग्रियों के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस सफर में बहुत व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकंडक्टर सेक्टर एक ट्रिलियन डॉलर के उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है और इसमें प्रतिभाओं की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यह एक उपयुक्त अवसर है। इसके लिए 278 संस्थान और विश्वविद्यालय काम कर रहे हैं और उनके छात्र सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन और इनोवेशन में लगे हुए हैं। वर्तमान में 25 संस्थानों के छात्रों के डिजाइन की गई 28 चिप्स तैयार हो चुकी हैं। हमने भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के पहले संस्करण को व्यावहारिक रूप से पूरा कर लिया है और अब दूसरे संस्करण की ओर बढ़ रहे हैं। इसमें सेमीकंडक्टर चिप्स के लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इससे पहले, मंत्री महोदय ने सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों में प्रयुक्त उच्च परिशुद्धता वाले घटकों के निर्माण पर चर्चा की। कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड (सीयूएमआई) ने सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए उपकरणों के निर्माण में प्रयुक्त कुछ सामग्रियों का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 की शुरूआत की

नई दिल्ली,: 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 का आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार द्वारा आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम, भारतीय रेलवे नेटवर्क में एक पखवाड़े तक चलने वाले स्वच्छता अभियान की शुरूआत का प्रतीक है। श्री सतीश कुमार ने नई दिल्ली स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। शपथ के बाद, उन्होंने स्टेशन की स्वच्छता में योगदान देने के लिए 'श्रमदान' (स्वैच्छिक श्रमदान) में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह अभियान, जिसका समापन 2 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ भारत दिवस पर होगा, स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई गतिविधियों का आयोजन करेगा। यह पहल स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देती है। रेल भवन में रेलवे बोर्ड की संयुक्त सचिव सुश्री अरुणा नायर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। रेलवे बोर्ड के अन्य सदस्य दिल्ली क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर उपस्थित थे। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने बड़ौदा हाउस में अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

Before
After

आरेडिका में श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया विश्वकर्मा पूजन समारोह

नई दिल्ली,: आरेडिका में आज दिनांक 17.09.2025 विश्वकर्मा पूजा का विधि-विधान के साथ आयोजन किया गया। जिसमें आरेडिका महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी प्रतिनिधि यूनियनों, एसोसिएशनों तथा आरेडिका महिला कल्याण संगठन की सभी सदस्याओं के साथ विश्वकर्मा पूजा कर कारखाने की उन्नति, विकास एवं सुरक्षा की कामना की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हवन में आहुतियां देकर भगवान विश्वकर्मा से विश्व शान्ति एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की। आरेडिका के कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थल पर साफ-सफाई कर भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर पर माला एवं फूल चढाकर औजारों और मशीनों की पूजा की तथा सभी कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों एवं संविदा कर्मियों के लिए नव निर्मित बोगीशॉप में विशाल भण्डारे की व्यवस्था की गयी। आरेडिका प्रशासन तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा लोगों के आवागमन के लिए विशेष इंतजाम किये गये। जिससे आगुन्तकों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्थाओं का सामना न करना पड़े।

15 लाख से अधिक शिक्षकों की नौकरी पर संकट

बस्ती। टीईटी अनिवार्य किए जाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लेकर शिक्षकों का चरणबद्ध आंदोलन जारी है। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों और संघ पदाधिकारियों ने मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री महेश शुक्ल, सदर विधायक महेंद्रनाथ यादव, रुधौली के राजेंद्र चौधरी, कप्तानगंज के कविंद्र चौधरी ह्यअतुलह्ण समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से देशभर के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें समय रहते प्रभावी पहल नहीं करतीं तो 15 लाख से अधिक शिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा हो जाएगा। संघ नेताओं ने कहा कि शिक्षकों की भावनाओं और वेदना से केंद्र व राज्य की सरकारों को अवगत कराना जरूरी है। शिक्षक अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। जिला प्रवक्ता सूर्यप्रकाश शुक्ल ने बताया कि ज्ञापन लेने के बाद विधायकों ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर समस्या के शीघ्र समाधान का आग्रह करेंगे। ज्ञापन देने वालों में राघवेन्द्र प्रताप सिंह, रीता शुक्ला, संतोष शुक्ल, दिवाकर सिंह, शैल शुक्ल, मो. सलाम, सत्य प्रकाश पाठक, अनिल कुमार द्विवेदी, चंद्रभान चौरसिया, अजय कुमार मौजूद रहे।

नाबालिग से छेड़खानी, आरोपी पर केस दर्ज

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से छेड़खानी का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किशोरी ने आरोप लगाया है कि सोमवार की रात करीब 12 बजे वह घर की छत पर सो रही थी। इसी दौरान गांव का युवक वहां आकर छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए भाग गया। एसएचओ संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर छेड़खानी की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

मंडलीय ट्रायल में पांच टीमों के खिलाड़ी घोषित

बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती में मंगलवार को प्रदेश स्तरीय पांच खेल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया। स्टेडियम में सुबह 11 बजे से खिलाड़ियों का ट्रायल हुआ। टीम घोषित की गई। जिम्नास्टिक सीनियर पुरुष और सीनियर महिला वर्ग खिलाड़ियों का चयन-ट्रायल सुबह 11 बजे से किया गया। चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि प्रयागराज में 25 से 26 सितंबर तक प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता होगी, जिसमें बस्ती की दोनों टीमें प्रतिभाग करेंगी। इसके अलावा कुश्ती सीनियर पुरुष और सब जूनियर बालक प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन-ट्रायल किया गया। यह प्रतियोगिता 27 से 29 सितंबर गोरखपुर और चार से छह अक्तूबर तक आगरा में होगी।

आरेडिका महाप्रबंधक ने शपथ से की स्वच्छता अभियान 5.0 की शुरूआत

नई दिल्ली,: आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के अन्तर्गत दिनांक 17.09.2025 को

महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए महाप्रबंधक सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता शपथ ली। स्वच्छता अभियान का प्रथम चरण 17.09.2025 से 02.10.2025 तक चलेगा। आरेडिका द्वारा स्वच्छता के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करने के लिए संबंधित कार्य-क्रम ,नुक्कड़ नाटक स्वच्छता सेल्फी आदि का सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म का उपयोग कर स्वच्छता के प्रति लागों को जागरुक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ ग्राम चौपालों माध्यम से आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता अपनाने की पहल की जा रही है। स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत सिविल विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आवासीय परिसर, कॉम्पलेक्स, केन्द्रीय विद्यालय, एडमिन, वर्कशॉप के सभी शॉपों में आने वाले 2 अक्टूबर तक स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जाएगें। इस अवसर पर आरेडिका के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थल पर शपथ लेकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को 64 नई मुख्य सेविकाएं मिलीं

बस्ती। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में अब स्टाफ की कमी दूर हो गई है। विभाग को 64 नई मुख्य सेविकाएं मिल गई हैं। मंगलवार को अधिकांश ने ज्वाइन किया और नये सिरे से अब ब्लॉक क्षेत्र का आवंटन किया जाएगा। जिले के 14 ब्लाकों में 2656 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। इसके सापेक्ष 90 मुख्य सेविकाएं होनी चाहिए, लेकिन मौजूदा समय में विभाग के पास मात्र 26 ही थीं, जिनसे जैसे-तैसे काम चलाया जा रहा है। एक-एक मुख्य सेविकाओं को चार-चार जगह अतिरिक्त काम देखना पड़ता था। अब विभाग को 64 नई मुख्य सेविकाएं मिल गई है, इससे विभागीय कार्यों को गति मिलेगी। विभाग का कहना है कि एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में चयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्तिपत्र दिए थे, जिसमें बस्ती जिले के लिए 64 मुख्य सेविकाएं यहां भेजी गईं। मंगलवार की सुबह से शाम तक विकास भवन में ज्वाइनिंग के लिए भीड़ लगी रही। अब उनको ब्लॉक आवंटित किया जाएगा। योग्यता सूची के आधार पर जिले में आवंटित होकर आईं मुख्य सेविकाओं को जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने ज्वाइन कराया। उन्होंने बताया कि शासन से जिले को 64 नई मुख्य सेविकाएं मिली हैं। जल्द ही सभी को ब्लॉकों में तैनाती दे दी जाएगी।

महिला की ईट से कूचकर निर्मम हत्या, तीन दिन पहले बेची थी जमीन

वाराणसी। यूपी के चंदौली जिले में महिला की हत्या की सूचना पाकर मौके पर मुगलसराय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मुगलसराय थाना अंतर्गत मुहम्मदपुर गांव में बुधवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव की 60 वर्षीय वृद्धा चमेला देवी की उनके ही कमरे में ईंट से कूचकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। सुबह जब ग्रामीणों को जानकारी हुई तो मौके पर भीड़ जुट गई। घर के अंदर चमेला देवी का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा था, जिसे देखकर लोगों के होश उड़ गए। ग्रामीणों के अनुसार चमेला देवी का परिवार कई वर्षों पहले ही बिखर गया था। करीब एक साल पहले ही पति विजय सिंह की मौत हो गई थी, जबकि वर्ष 2014 में उनके इकलौते बेटे सुरेंद्र की सड़क हादसे में जान चली गई थी। इन घटनाओं के बाद चमेला देवी पूरी तरह अकेली हो गई थीं और गांव में अकेले ही रहती थीं। बताया जा रहा है कि तीन दिन पूर्व ही चमेला देवी ने डेढ़ लाख रुपये में अपनी एक जमीन बेची थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी धनराशि को लेकर किसी ने इस वारदात को अंजाम दिया है। उनके कमरे से सामान भी बिखरा मिला, जिससे साफ प्रतीत होता है कि महिला की हत्या लूटपाट के इरादे से की गई होगी। घटना की जानकारी मिलते ही थाना मुगलसराय पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने दर्ज किया मामला थानाध्यक्ष गगनराज सिंह ने बताया कि प्रथम द्दष्टया महिला की हत्या ईंट से कूंचकर की गई है। मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में वृद्धा की हत्या से दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हत्यारे को जल्द से जल्द पकड़कर कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई ऐसी वारदात न कर सके।

बस्ती स्टेशन पर डस्टबिन की सफाई करती हुई महिला स्वच्छताकर्मी

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर,2025 तक पूर्वोत्तर रेलवे पर स्वच्छोत्सव थीम स्वच्छता ही सेवा-2025 पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें रेल अधिकारियों/कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी तथा रेल परिसर, कार्यालयों और ट्रेनों में गहन साफ-सफाई की गई। 17 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, ऐशबाग डिपो, लखनऊ जं0, गोरखपुर, गोण्डा, बस्ती, खलीलाबाद, बादशाहनगर, लखीमपुर स्टेशनों पर स्वास्थ्यकर्मियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी साथ ही स्वच्छता नारों के साथ रैली निकाली गयी। इसके अन्तर्गत स्टेशन परिसर एवं कार्यालयों की गहन सफाई की गयी। यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। बंदरियाबाग, बादशाहनगर रेलवे कालोनी में स्वच्छता अभियान चलाकर रेलकर्मियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत सभी प्रमुख स्टेशनों, रेलवे कालोनीयों, विद्युत लोको शेड, सैदपुर, मेमू/डेमू शेड, सभी कर्षण डिपो, कोचिंग डिपो एवं स्वास्थ्य इकाईयों में रेलकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई तथा यात्रियों को स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया।

गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर स्वच्छता शपथ दिलाते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान की शुरूआत महाप्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर उपस्थित प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलायी तथा संयुक्त स्वच्छता श्रमदान कर किया। महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने शपथ दिलाते हुये कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। उन्होंने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया। अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। महाप्रबन्धक ने कहा कि ह्यह्यमैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिये समय दूंगा। हर वर्ष 100 घंटे यानि हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा। मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूंगा। सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूँगा। मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गन्दगी नहीं करते और न ही होने देते हैं। इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा। मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिये 100 घंटे दें, इसके लिये प्रयास करूंगा। मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा। शपथ ग्रहण के उपरान्त महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने प्लेटफार्म संख्या-1 पर स्वच्छता मशीन चलाकर स्वच्छता का कार्य किया तथा प्लेटफार्म संख्या-1 के सामने लगभग 200 मीटर के क्लीनलीनेस टारगेट यूनिट की सफाई करने हेतु श्रमदान किया। उन्होंने वहाँ उपस्थित महिला सफाई कर्मचारियों से स्वच्छता कार्यों एवं उनकी समस्याओं को लेकर बात की तथा प्लेटफार्म संख्या-1 के टैज्क से पानी की निकासी, कचड़ा निकासी करने एवं डेज्न कवर की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। महाप्रबन्धक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वच्छता कार्यों में सहयोग करने का निर्देश दिया। इसके उपरान्त, महाप्रबन्धक ने डीजल लॉबी तथा रनिंग रूम का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्रू के आराम हेतु बेड के आवंटन प्रक्रिया, कमरों का रख-रखाव, मेस एवं किचेन का निरीक्षण कर खानपान की व्यवस्था परखी तथा उसमें आवश्यक सुधार करने, रनिंग रूम की क्षमता बढ़ाने एवं विद्युत सम्बन्धी समस्याओं को शीघ्र दूर करने का निर्देश दिया।

त्योहारी मांग व जीएसटी सुधारों से देश में सोने के जेवरों की मांग बढ़ सकती है, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आभूषणों की मांग के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन इस मामले में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देशों का आभूषणों की मांग में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। त्योहारी सीजन, सांस्कृतिक मांग और जीएसटी सुधार जैसे कारण भारत में सोने के आभूषणों की खरीदारी को बढ़ावा दे सकते हैं। पीली धातु की कीमतें पहले ही रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। मिराए एसेट म्यूचुअल फंड ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है। आभूषणों की मांग के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन इस मामले में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देशों का आभूषणों की मांग में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। उपभोक्ता खर्च में सुधार और प्रोत्साहन चीन में शहरी आभूषण खरीदारी को भी फिर से बढ़ावा दे सकते हैं। रिपोर्ट में एक चेतावनी भी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा की गुणवत्ता के लिए दिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के 60 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। मूल्यांकन और मूल्यांकन प्रथाओं को मजबूत करना विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला में शिक्षकों को विद्यार्थियों की प्रगति को समझने, परिणामों का मूल्यांकन करने और डेटा-आधारित निर्णय लेने का प्रशिक्षण दिया गया।

सार्वजनिक विद्यालय में मनाया हिंदी दिवस

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया। पंकज नाफड़े ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए हिंदी भाषा का महत्व बताया एवं भाषा व बोली के अंतर को समझाया। प्राचार्य अल्पना करकरे ने छात्रों को हिंदी की पुस्तकों का वाचन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

ढाई माह से चक्कर काट रहा हूं, पत्नी-बच्चों सहित आत्महत्या कर लूंगा

दिव्यांग किसान ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

▸ ग्वालियर

साहब, मैं दिव्यांग हूं, मेरे दोनों पैर नहीं हैं। पिछले ढाई महीने से आपकी चौखट पर चक्कर काट रहा हूं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अगर आज भी समाधान नहीं हुआ तो मैं अपनी पत्नी और बच्चे के साथ कलेक्टर ऑफिस में आत्महत्या कर लूंगा। यह बात हस्तिनापुर तहसील के फुसावली गांव के दिव्यांग किसान बारेलाल बघेल ने अधिकारियों से कही। बारेलाल की पीड़ा सुनकर एडीएम सीबी प्रसाद ने मौके पर ही एसडीएम को निर्देश दिए कि नाले की समस्या का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

बारेलाल ने अपनी समस्या को लेकर 26 जून, 5 अगस्त और 19 अगस्त को कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। हर बार अधिकारियों की ओर से आश्वासन दिया गया कि कार्रवाई होगी, लेकिन ढाई महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया। इसी बात से नाराज बारेलाल मंगलवार को एक बार फिर कलेक्टर जनसुनवाई पहुंचे तो उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया और घसीटते हुए जनसुनवाई कक्ष में पहुंचे। वहां उन्होंने अधिकारियों से कहा व्हीलचेयर पर बिठाने की झूठी सहानुभूति नहीं चाहिए, असली मदद चाहिए। मेरे खेत को नाले के पानी से बचाइए। बारेलाल की गुहार सुनने के बाद एडीएम सामाजिक न्याय विभाग को आदेश दिए गए कि बारेलाल को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनका आना-जाना सुगम हो सके।

सराफा व्यवसाई पर यौन शोषण का आरोप

ग्वालियर थाना में एक महिला ने सोना-चांदी के कारोबारी मुक्तेश जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि वह पिछले 5 से 6 साल से मुक्तेश जैन के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। इस दौरान दोनों पति-पत्नी की तरह साथ रहे। मुक्तेश ने उसे शादी का भरोसा भी दिया था और इस रिश्ते से उसका एक बच्चा भी है। लेकिन अब अचानक मुक्तेश ने उसके साथ रहने से इंकार कर दिया। साथ ही उस पर दबाव डाला जा रहा है कि वह तीन लाख रुपए लेकर यह रिश्ता खत्म कर दे। जबकि महिला का कहना है कि वह मुक्तेश के साथ ही रहना चाहती है। रिश्ता खत्म करने से बच्चे के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा। महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय जनसुनवाई में न्याय की गुहार लगाई हैं। उसने लिखित शिकायत अधिकारियों को सौंपकर न्याय की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने उसकी शिकायत पर मामले की जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

जनसुनवाई में जनता का गुस्सा फूटा

निगम अधिकारी बोले चिल्लाने से कुछ नहीं होगा, शहर बहुत बड़ा है

शहर की बुनियादी समस्याओं से त्रस्त नागरिक मंगलवार को नगर निगम की जनसुनवाई में जब अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे तो अधिकारियों के रवैया ने उन्हें और भड़का दिया। अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार और प्रदीप तोमर ने कहा कि आपके चिल्लाने से कुछ नहीं होगा, शहर बहुत बड़ा है इसलिए काम धीरे-धीरे ही होगा। अधिकारियों की यह बात सुनते ही लोगों का गुस्सा बढ़ गया और वे धरने पर बैठ गए। वहीं लम्बे समय से सीवर की समस्या से निजात न मिलने से परेशान लोग अधिकारियों को माला पहनाने पहुंचे, जिस कारण करीब आधे घंटे तक हंगामा चलता रहा। जनसुनवाई के दौरान वार्ड 18-19 रचना नगर के रहवासी माला लेकर पहुंचे और अधिकारियों का स्वागत करना चाहा। लेकिन अधिकारी माला पहनने को तैयार नहीं हुए, जिसके चलते आधे घंटे तक हंगामा चलता रहा। अंततः रहवासी धरने पर बैठ गए। उनका आरोप था कि पिछले 6 साल से सीवर की समस्या जस की तस है। सिर्फ 250 मीटर पाइप लाइन का मिलान हो जाए तो राहत मिल सकती है, लेकिन अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। अगर आपके बच्चे रोज सीवर से निकलकर स्कूल जाएं तो आपको कैसा लगेगा। इसी तरह वार्ड 60 स्थित द एड्रेस कॉलोनी के रहवासी भी समस्याओं का पुलिंदा लेकर पहुंचे। रहवासियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनी सड़क बीच में अधूरी छोड़ दी गई है। कॉलोनी की स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, सफाई व्यवस्था बदहाल है और अमृत योजना की पानी सप्लाई अधूरी है। कॉलोनी अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने सवाल उठाया कि हम महीनों से अधिकारियों को पत्र लिख रहे हैं, लेकिन किसी को परवाह नहीं। जनता को अंधेरे में रखना आखिर किसकी जिम्मेदारी है। इस दौरान रहवासियों और अधिकारियों के बीच जमकर नोकझोंक भी हुई। वहीं सिरोल स्थित वुड्स रेजीडेंसी के निवासी दूसरी बार जनसुनवाई में पहुंचे। संदीप सक्सेना ने बताया कि पिछली जनसुनवाई में उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट लग जाएगी, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। संदीप सक्सेना ने चेतावनी दी कि अंधेरे में रहवासियों की सुरक्षा खतरे में है। अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो कॉलोनीवासी परिवार सहित धरना देने को मजबूर होंगे। जनसुनवाई में 36 से अधिक आवेदन आए।

गुरु का स्थान सर्वोपरिः राजौरिया

ग्वालियर। बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था द्वारा बड़गांव मॉर्निंग स्टार स्कूल में कक्षा एक से बारहवीं तक की उत्कृष्ट छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया रहे। अध्यक्षता संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि आज बच्चों से पहले उनके गुरुओं का सम्मान किया गया। क्योंकि गुरु का स्थान सर्वोपरि होता है जिससे बच्चों को इनका महत्व पता चल सके। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर परमानंद त्यागी, प्रीति त्यागी, मुलायम सिंह यादव आदि उपस्थित रहे। संचालन नीरजा भदौरिया ने किया।

जीडीसीए ने आरिफ को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। पूर्व रणजी खिलाड़ी मौहम्मद आरिफ के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन ने कै रूप सिंह स्टेडियम पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में वरिष्ठ आईएएस एवं जीडीसीए के अध्यक्ष प्रशांत मेहता, सचिव संजय आहूजा, रवि पाटनकर, सतीश गुप्ता, संग्राम कदम, इंद्रजीत शिंदे, अनवर खान, अवधेश भटनागर,आलोक यादव, मुरैना क्रिकेट एसोसिएशन के तसलीम खान आदि मौजूद रहे। श्री मेहता ने कहा कि शीघ्र ही खिलाड़ी कल्याण प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी।

जीविवि और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान में हुआ एमओयू, मिलकर शोधकार्य करेंगे

इतिहास पाठ्यक्रम के भारतीयकरण पर कार्यशाला शुरू

▸ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला में मंगलवार को इतिहास विषय में स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं स्नातकोत्तर तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने की। बीज वक्तव्य शासकीय प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर इतिहास विभाग के प्रो. अलकेश चतुर्वेदी, निदेशक दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल प्रो.मुकेश मिश्र एवं शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन के प्राचार्य प्रो. प्रशांत पुराणिक ने दिया।

कार्यशाला के आयोजन सचिव एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के नोडल अधिकारी डॉ. शान्तिदेव सिसोदिया ने बताया कि इस सत्र में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला जीवाजी विवि एवं दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल के बीच एमओयू भी हुआ। अब यह दोनों संस्थाएं मानविकी, सामाजिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ाकर शोध के क्षेत्र में काम करेंगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, ग्वालियर-चम्बल संभाग प्रो. के रत्नम ने भी पाठ्यक्रम निर्माण के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला जीवाजी विवि के विभागाध्यक्ष डॉ. शान्तिदेव सिसोदिया ने कहा कि कार्यशाला में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के इतिहास पाठ्यक्रम को औपनिवेशिक दृष्टिकोण से मुक्त करते हुए उसके भारतीयकरण करने के लिए विचार विमर्श किया जा रहा है। जिससे की इतिहास के विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टिकोण के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ-साथ भारतीय जीवंत परंपराओं एवं क्षेत्रीय इतिहास को समग्र रूप से पढ़ने समझने का अवसर प्राप्त हो। इतिहास पाठ्यक्रम में अब तक काल विभाजन, पाश्चात्य दृष्टिकोण से प्रेरित राजनीतिक घटनाओं के आधार पर चला आ रहा था। इस कार्यशाला में सर्वसम्मत से यह निर्णय लिया जा रहा है कि इतिहास पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भारतीय दृष्टिकोण को समाहित कर इतिहास के पाठ्यक्रम का भारतीयकरण किया जा सके।

पाठ्यक्रम निर्माण के लिए इन्होंने दिए सुझाव

कार्यशाला में डॉ. नवीन गिडियन शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय सागर, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल सरोजनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, प्रो. मीना श्रीवास्तव शा. स्वशासी कमलाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर, प्रो. रंजना शर्मा व्यास शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन, प्रो. संजय कुमार स्वर्णकार शा.स्वशासी कमलाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर, डॉ. सुनीता मालवीय प्रधानमंत्री उत्कृष्ट श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर, प्रो. उषा अग्रवाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर, डॉ. संध्या भार्गव प्रधानमंत्री उत्कृष्ट श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर, डॉ. रामबाबू मेहर शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम आदि ने भी पाठ्यक्रम संबंधी सुझाव दिए।

डुप्लीकेसी खत्म करने के लिए समग्र आईडी की ई-केवायसी हो रही है : पूर्वी

▸ ग्वालियर

नगर निगम ग्वालियर की ऑनलाइन नामांतरण प्रक्रिया एवं समग्र आईडी की आवश्यकता और प्रक्रिया पर मंगलवार को चेम्बर ऑफ कॉमर्स में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर निगम ग्वालियर की सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पूर्वी अग्रवाल ने बताया कि समग्र आईडी मध्यप्रदेश सरकार की सभी योजनाओं के लिए आवश्यक है। प्रारंभ में ग्वालियर की लगभग 29 लाख समग्र आईडी दर्ज की गई थीं जबकि इतनी संख्या ग्वालियर की है नहीं, इसलिए डुप्लीकेसी को खत्म करने के लिए समग्र आईडी की ई-केवायसी की जा रही है। इसे आधार से लिंक करके किया जा रहा है, जिससे वास्तविक समग्र आईडी ही शेष रहें और लोगों के नाम पते व अन्य जानकारियां भी अपेडट हो सकें। उन्होंने कहा कि आप समग्र आईडी एवं उसकी ई-केवायसी के लिए चार विकल्प अपना सकते हैं जिनमें लोक सेवा केन्द्र, एमपीऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर तथा समग्र पोर्टल पर जाकर स्वयं इस कार्य को कर सकते हैं। उक्त वेबसाइट पर जाकर आप अपनी समग्र आईडी प्रविष्ट करें, अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर, ओटीपी से सत्यापन करें। इसके साथ ही अपना आधार नंबर दर्ज करें तथा आधार से प्राप्त ओटीपी को प्रविष्ट कर, अपने आधार को सत्यापित करें। इस प्रकार आपका ई-केवायसी हो जाएगा। बैठक में चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि समग्र आईडी की विसंगतियों को दूर कराने हेतु शीघ्र ही चेम्बर भवन में शिविर लगाया जाएगा। बैठक का संचालन दीपक अग्रवाल एवं आभार डॉ. राकेश अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस मौके पर समिति सदस्य महेन्द्र साहू, निर्मल कुमार जैन, आशीष जैन, आशीष अग्रवाल, अंजलि गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर नवीन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।

'सृजन शक्ति को सुपोषण के प्रति होना चाहिए संवेदनशील'

सेवा भारती के सुपोषण भारत अभियान का समापन

▸ ग्वालियर

सृजन शक्ति को सुपोषण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए, क्योंकि सही पोषण ही जीवन की नींव है और यह व्यक्ति की सृजनात्मक एवं शारीरिक क्षमता को बेहतर बनाता है।

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग प्रचारक ललित जी ने सेवा भारती ग्वालियर सुपोषण भारत अभियान के समापन समारोह में मुख्यवक्ता की आसंदी से कही। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शासकीय गजराराजा मेडिकल कॉलेज की आहार विशेषज्ञ डॉ.सीमा राणा, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य विजय कुमार पिपरोलिया थीं। अध्यक्षता सेवा भारती महानगर ग्वालियर अध्यक्ष विजय गुप्ता ने की। मुख्यवक्ता ललित जी ने लोगों से पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य) का संदेश घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ.सीमा राणा ने कहा कि संतुलित आहार, योग और ध्यान से शारीरिक, मानसिक क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि हमें मोबाइल और वाई-फाई का उपयोग कम करना चाहिए। अगर इसका इस्तेमाल ज्यादा करते हैं तो हमें अरुणोदय की रोशनी तथा व्यायाम ज्यादा करना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ.विनीता जैन, गीता उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम का संचालन सेवा भारती महानगर ग्वालियर सचिव डॉ. सुरेंद्र प्रधान ने किया। इस अवसर पर सेवाभारती विभाग समन्वयक कैलाश कुशवाहा, स्वराज माथुर, कल्पना शर्मा, सुबोध माथुर ,संतोष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने 10 इंजीनियरों का सम्मान किया

▸ ग्वालियर

लायंस क्लब ग्वालियर आस्था द्वारा इंजीनियर डे के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 10 इंजीनियरों का सम्मान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीमा बंसल ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत पाल इंजीनियर सुधीर बाजपेई, विशिष्ट अतिथि नितिन मांगलिक, सत्येंद्र सिंह यादव, धीरज भटनागर, यश श्रीवास्तव, पारस जैन, रश्मि अग्रवाल, चंचल सिंह, सुमन गोयल आदि उपस्थित रहे। संचालन ज्योति अग्रवाल ने किया।

बाल भवन में होगा वर्चुअल प्रसारण, लगेगा रक्तदान शिविर

प्रधानमंत्री आज करेंगे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ

▸ ग्वालियर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को मध्यप्रदेश के धार जिले से राष्ट्रव्यापी स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर ग्वालियर में भी वर्चुअल प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर बाल भवन, सिटी सेंटर में सुबह 10 बजे से विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा, जिसमें सांसद भारत सिंह कुशवाहा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अपर कलेक्टर कुमार सत्यम ने सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधीश रुचिका सिंह चौहान ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां सौंप दी हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। इसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एनीमिया और क्षय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग और जांच शामिल होगी।

कब और कहां लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

- **शहरी क्षेत्र:** सिविल अस्पताल, बिरला नगर 19 सितंबर, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, लक्ष्मीगंज 20 सितंबर, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दीनदयाल नगर 22 सितंबर, सिविल अस्पताल, हेम सिंह की परेड 29 सितंबर, सिविल अस्पताल, हजीरा 1 अक्टूबर।
- **ग्रामीण क्षेत्र:** सिविल अस्पताल, डबरा 17 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिलौआ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंतरी 18 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बरई 19 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कुलैथ 20 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छीमक 22 सितंबर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हस्तिनापुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, करियावटी 23 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पाटई एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चीनौर 24 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बेहट एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भितरवार 25 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उटीला एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सालवई 26 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, वीरपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पिछोर 27 सितंबर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पारसेन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहना 29 सितंबर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिरजा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहनगढ़ 30 सितंबर के अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शुक्लहारी में 1 अक्टूबर को शिविर लगेंगे।

सेवा पखवाड़ा में होंगी अन्य गतिविधियां

- **नमो मैराथन दौड़ :** 21 सितंबर को आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत थीम पर मैराथन का आयोजन होगा। इसमें महाविद्यालयीन और वरिष्ठ स्कूली विद्यार्थी, खिलाड़ी, एनसीसी, गाइड और आम नागरिक भाग लेंगे। प्रस्तावित मार्ग - महाराज बाड़ा से सराफा, डीडवाना ओली, गश्त का ताजिया, पाटनकर चौराहा, दौलतगंज होते हुए जीवाजी चौक तक रहेगा।
- **एक पेड़ मां के नाम, एक बगिया मां के नाम अभियान :** 18 सितंबर को आनंद पर्वत पर सामूहिक वृक्षारोपण होगा। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर क्रमवार तिथियों में नमो पार्क, नमो वन और नमो उपवन विकसित किए जाएंगे। इसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

तोमर ने किया शोक व्यक्त

▸ ग्वालियर

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल के बड़े भाई स्व. सुरेशचंद्र गोयल के निधन पर आर्य नगर मुरार स्थित निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। पुष्पांजलि एवं शोक व्यक्त करने वालों में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा, धर्मेंद्र सिंह तोमर तोमर, विवेक शर्मा, हरिओम झा, इशू चौहान, शिव सिंह बघेल,अर्पित भार्गव,धर्मेंद्र निगोते, यश शर्मा,राजेन्द्र शर्मा आदि शामिल हैं।

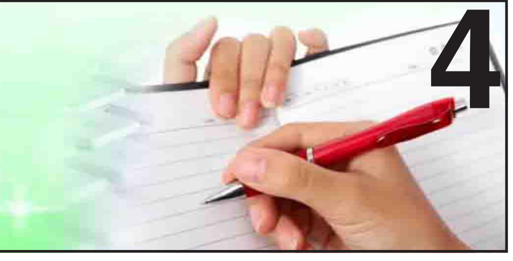

सम्पादकीय

शांति प्रयासों की असफलता

आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है। युद्धों की परिणति से विश्व में आर्थिक विषमताएं तथा असमानताएं बढ़ती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का विकास नहीं हुआ और यह भविष्य की आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है।ताजा ताजा यूक्रेन ने 60 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इसराइल हमास युद्ध में ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैंस परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगेस इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें हैंस इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरूआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। और यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं अच्छे लगते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है। उत्तर कोरिया इसे अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के हमले के पूर्वाभ्यास की तरह आंकलन कर रहा है। उधर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया अपने त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु एवं मिसाइलों का मुकाबला करने हेतु संयुक्त रुप से बैलेस्टिक मिसाइल निर्माण तथा प्रयोग के सहयोग के लिए सहमति दे चुके हैं। इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है। अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। अमेरिका में चूंकि वर्ष 24 में राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं ऐसे में वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन को अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने के लिए और चुनाव जीतने के लिए एक बहुत बड़े मुद्दे की तलाश जरूर होगी और इसके चलते वह अपनी राजनीतिक साख को बचाने के लिए किसी भी देश से अपनी बादशाहत बचाने के लिए युद्ध कर सकते हैं और जाहिर है कि उनके किसी भी युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस ,आस्ट्रेलिया, इजरायल आंख मूंदकर साथ देने को तैयार होंगे।

नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव

नरेंद्र मोदी आज केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय लोकतंत्र की गौरवगाथा को नई ऊँचाइयों तक ले गया है। साधारण परिवार में जन्मा एक बालक, जिसने जीवन के संघर्षों को तपस्या की तरह जिया, आज विश्व राजनीति ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक बन गया है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में अटूट परिश्रम, कर्मनिष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का अदम्य संकल्प हो, तो वह इतिहास की धारा को भी मोड़ सकता है। नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है। मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नगण्य होता है, पर मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्तृत्व की छेनी से तराश कर महान् बना देते हैं। नरेन्द्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहाँ उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं जीवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत

के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्वक देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरूआत होगी। मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कही जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने करोड़ों गरीबों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने भारत की नई आक्रामक और निर्णायक छवि प्रस्तुत की। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि मोदी ने भारतीय समाज में आत्मविश्वास का संचार किया और यह भावना मजबूत की कि भारत अब किसी से पीछे नहीं रहेगा। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके विचार, जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं। मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में ताजा है। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज की ऊर्जा और उत्साह के बीच गणि राजेन्द्र विजयजी ने बड़ी आत्मीयता से उनको कहा था-ह्लअब आप दिल्ली चलो।ह्व गणिजी का यह वाक्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी धर्मगुरु की अंतरदृष्टि थी, जो बाद में सार्थक भी हुई। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं। मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत की आत्मा के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज आज पूरी दुनिया सुनती है। उनका 75वां जन्मोत्सव केवल एक व्यक्ति के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि उस युगांतरकारी यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर किया है। वे उस नेतृत्व के धनी हैं जिसने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। कठोर परिश्रम, राष्ट्रनिष्ठा और मिशनरी दृष्टि से ओतप्रोत नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति का ही नहीं, विश्व राजनीति का भी स्वर्णिम अध्याय हैं।

शारीरिक,मानसिक स्वास्थ्य में संतुलन का विज्ञान

आयुर्वेद दिवसः 23 सितंबर

आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं है, अपितु यह जीवन, स्वास्थ्य और संतुलन का एक समग्र विज्ञान है। यह मनुष्य को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तर पर स्वस्थ रखने का मार्ग दिखाता है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में आयुर्वेद का ज्ञान बीज रूप में उपलब्ध है। जबकि चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और वाग्भट का अष्टांगहृदय इसके प्रमुख ग्रंथ हैं। आयुर्वेद का मूल उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य और दीघार्यु को सुनिश्चित करना है। उपचार और जीवनशैली सुधार के लिए यह व्यक्ति-केंद्रित चिकित्सा को महत्व देता है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति जन्म से निर्धारित होती है, जो त्रिदोष वात, पित्त और कफ के अनुपात पर आधारित होती है। यह प्रकृति व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और रोग-संवेदनशीलता की मूलभूत विशेषताओं को निर्धारित करती है। संतुलित दोष स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं, जबकि असंतुलन रोग उत्पन्न करता है। इसी प्रकार त्रिगुण सत्व, रज और तम मानसिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करते हैं। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण में स्वास्थ्य का मूल्य केवल शारीरिक स्थिति तक सीमित नहीं है। सुखी जीवन का अर्थ है शरीर और मन का संतुलन, इंद्रियों का सम्यक कार्य, उत्साह, तेज और आत्मबल से युक्त पूर्ण व्यक्तित्व, समाज में सम्मान और उत्तरदायित्व का निर्वाह। इसके विपरीत दुखी जीवन रोग, मानसिक असंतुलन और सामाजिक अस्थिरता से ग्रस्त माना गया है। आयुर्वेद धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थ चतुष्टय का मार्गदर्शक भी है। धर्म नैतिक और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा देता है, अर्थ आर्थिक समृद्धि का आधार है, काम जीवन की इच्छाओं और संतोष का मार्ग है तथा मोक्ष आत्मशांति और पूर्णता की दिशा दिखाता है। इस प्रकार आयुर्वेद जीवन को पूर्णता की ओर ले जाने वाला विज्ञान है। आयुर्वेदिक औषधियां केवल चिकित्सीय पदार्थों पर आधारित नहीं होतीं, अपितु उनका उद्देश्य स्वास्थ्य का संरक्षण और जीवन-शक्ति का पोषण भी है। अरिष्ट, आसव, अवलेह, चूर्ण, तैल, घृत और क्वाथ जैसी औषधियां सुरक्षित और प्रभावी मानी जाती हैं। आज के युग में इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय घटकों की पहचान, शुद्धता और स्थिरता परीक्षण, क्रोमैटोग्राफिक फिंगरप्रिंटिंग और फामाकोलॉजिकल मूल्यांकन आवश्यक हैं। यह प्रक्रियाएं औषधियों की प्रामाणिकता और चिकित्सीय प्रभावकारिता को विश्व स्तर पर मान्यता दिलाने में सहायक हैं। चरक ने कहा है कि हितकर आहार करने वाला और इंद्रियों पर संयम रखने वाला व्यक्ति छत्तीस हजार रात्रियां अर्थात सौ वर्ष जीवित रहता है। जिस समय प्रयोगशाला परीक्षण जैसे शब्द का अस्तित्व भी नहीं था, उस समय आचार्यों ने रक्ताल्पता के लिए लौह योग का निर्देश दिया और बताया कि रक्तवर्धन में लौह से श्रेष्ठ कोई द्रव्य नहीं है। डायबिटीज का निदान बिना प्रयोगशाला के किया गया और उसके लिए औषधियां बताई गईं। बुखार में गर्म पानी, उदर रोग में ऊंटनी का दूध, यक्ष्मा में बकरी का दूध और नींद लाने में भैंस का दूध का प्रयोग - ऐसे निर्देश आयुर्वेद की अद्वितीय व्यावहारिकता दशार्ते हैं। तेल, घी और जल से बनी सब्जियां हितकर हैं, किंतु पुनः गर्म करने पर विष के समान प्रभावकारी हो जाती हैं। त्रिफला सुबह जल के साथ लेने पर मोटापा घटाता है और रात को शहद के साथ लेने पर नेत्रों के लिए लाभकारी होता है। यह औषधियों की बहुप्रभाविता का उत्कृष्ट उदाहरण है। विष का प्रभाव ऐसा है जैसे जलता हुआ घर, जिसे तुरंत बचाने का प्रयास करना चाहिए। यानी उसी तरह विष की चिकित्सा के प्रति प्रयत्नशील रहना चाहिए। जैसे कमलपत्र पर जल नहीं ठहरता उसी तरह स्वर्ण सेवन करने वाले पर विष का प्रभाव नहीं ठहरता। आत्ययिक रोग (अचानक आया गंभीर रोग) जैसे हिक्का और श्वास रोग विष की भांति तुरंत फैलते हैं। गर्भावस्था में सावधानी का निर्देश समझाने के लिए कहा है कि जैसे किसी को तेल से भरे पात्र को बिना हिलाए ले कर जाना होता है उसी तरह गर्भवती की देखभाल करनी चाहिए। ग्रंथों में नीम हकीम के खतरे को स्पष्ट किया गया है। कहा गया है कि अकुशल शासन के कारण ही नीम हकीम पनपते हैं। इस प्रकार की प्रक्रिया को तांबे का विष पीने से भी अधिक घातक बताया गया है। यह भी कहा गया है कि इन्द्र के वज्र गिरने से कोई बच सकता है लेकिन नीम हकीम से चिकित्सा कराने वाला व्यक्ति नहीं बचता। आयुर्वेद ने नया अनाज रोगकारक बताया है। एक वर्ष पुराना धान्य हितकारी है, जबकि दो वर्ष से अधिक पुराना शक्तिहीन हो जाता है। गुड़ पुराना होने पर बवासीर में लाभकारी है और पुराना घी मानसिक रोगों का नाश करता है। भोजन से पहले घी का सेवन पत्थरी रोग में लाभ पहुंचाता है जबकि श्वास, कास , सिरदर्द व राजयक्ष्मा में भोजन के बाद घी का पान करने का निर्देश है। आयुर्वेद की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके सिद्धांत कभी बदलते नहीं। च्यवनप्राश पहले भी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता था, आज भी बढ़ाता है और भविष्य में भी बढ़ाएगा। आंवला और हल्दी का मिश्रण डायबिटीज में लाभकारी था, है और रहेगा। रात्रि में दही का सेवन पहले भी निषिद्ध था और आज भी है। आयुर्वेद ने निद्रा को जीवन का मूल आधार माना है। सुख-दुःख, पुष्टता-कृशता, बल-अबल, ज्ञान-अज्ञान, यहां तक कि जीवन और मृत्यु भी निद्रा पर ही निर्भर हैं।

करतारपुर नहीं जा सकेंगे सिख श्रद्धालु

केन्द्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से 12 सितंबर को पंजाब और अन्य पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों को एक परामर्श यानी एडवायजरी जारी की गई है। जिसमें कहा गया है, शपाकिस्तान के साथ मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, नवंबर 2025 में श्री गुरु नानक देव जी के अवसर पर सिख तीर्थयात्रियों के जत्थे को पाकिस्तान भेजना संभव नहीं होगा। लिहाजा, आपसे अनुरोध है कि आप अपने राज्य में सिख संगठनों को उचित सलाह दें और यह सुनिश्चित करें कि जत्थे के आवेदनों पर गौर न किया जाए। इसका मतलब है कि इस साल भारतीय सिख पाकिस्तान में गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब नहीं जा पाएंगे, जो कि उनके आस्था का एक अहम केंद्र है। भारत और पाकिस्तान आपस में चाहे कितने युद्ध कर लें, एक-दूसरे से दुश्मनी निभा लें, लेकिन दोनों तरफ के हुक्मरान चाह कर भी दोनों मुल्कों के साझा इतिहास को बदल नहीं सकते। पाकिस्तान के नारोवाल जिले में स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब इसी साझा संस्कृति की एक मिसाल है। भारत के पंजाब के गुरदासपुर जिले के ऐतिहासिक शहर डेरा बाबा नानक से महज साढ़े चार किमी पर ही यह गुरुद्वारा है। अंग्रेजों ने भारत को बांटने के लिए कागज के नक्शे पर लकीर खींची, तो दिलों पर भी लकीरें बन गईं, लेकिन यह सच किसी लकीर से नहीं मिट पाया कि बार-बार दोनों देशों को एक-दूसरे का सामना करना ही पड़ेगा। राजनैतिक स्वार्थ और सत्ता के अहंकार की तुष्टि के लिए दोनों देशों की शांति और लोगों के अमन-चौन को भंग करने का सिलसिला थमना चाहिए। और यह तभी

होगा जब सीमा के आर-पार सामान्य आवाजाही रहे, व्यापार, खेल, धार्मिक, सांस्कृतिक यात्राएं चलती रहीं। अभी 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ एशिया कप का मैच खेला गया तो इसके पीछे भाजपा नेताओं ने यही कारण बताए कि खेल, कला आदि चलते रहना चाहिए। लेकिन अब धार्मिक यात्रा की बारी आई है तो सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इसे रोका जा रहा है। करतारपुर मामूली धार्मिक स्थल नहीं है। यह गुरु नानक देव जी का अंतिम विश्राम स्थल है। यहां उन्होंने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। ऐसा माना जाता है कि गुरु नानकदेव ने सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब के कई शबद की रचना करतारपुर में की थी। गुरु का लंगर नामक सामुदायिक भोजन भी करतारपुर में ही शुरू किया गया था, जो सिख परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरु नानक देव ने सबसे पहले यहां सिख धर्म के तीन नियमों का पालन किया थारू किरत करो (ईमानदारी से मेहनत करके आजीविका कमाना)य वंड छको (धन, संपत्ति और प्रतिभा को जरूरतमंदों के साथ बांटो) और नाम जपो (पाठ, जप और कीर्तन के माध्यम से ध्यान) को मुक्ति का मार्ग माना जाता है। आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने इस बात को समझा था कि बंटवारे में भले लाखों लोग एक जगह से दूसरी जगह चले गए, लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने अपनी जमीन को छोड़ना मंजूर नहीं किया। इसलिए हिंदुस्तान में कई मुस्लिम बने रहे और पाकिस्तान में कई हिंदू बने रहे। यह जानते हुए भी अब वे अपनी ही जन्मभूमि पर अल्पसंख्यक कहलाएंगे, इन लोगों ने जमीन को मां मानकर उसे नहीं छोड़ा। ऐसे अल्पसंख्यकों पर भविष्य में अत्याचार न हो, इसके लिए 1950 में तत्कालीन प्रधानमंत्रियों प.जवाहर लाल नेहरू और लियाकत अली के बीच छह दिन की लंबी चर्चा के बाद 8 अप्रैल को एक समझौता हुआ, जिसे नेहरू-लियाकत समझौता कहा जाता है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना और बंटवारे के बाद की स्थिति को टालना था। समझौते में यह तय हुआ कि दोनों देश अपने अल्पसंख्यकों के साथ हुए व्यवहार के लिए जिम्मेदार होंगे। जबरन कराए गए धर्म-परिवर्तन मान्य नहीं होंगे। दोनों देश अल्पसंख्यक आयोग का गठन करेंगे। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना थी। हालांकि, यह समझौता पूरी तरह से सफल नहीं हो पाया, लेकिन इसने दोनों देशों के बीच बातचीत और सहयोग के लिए एक मंच तैयार हुआ। 1950 में भारत के सिख तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान के सिख धार्मिक स्थलों की यात्रा की थी। लेकिन अब इसी यात्रा को रोका जा रहा है।

संतुलनकारी हस्तक्षेप

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का केंद्र सरकार और विपक्ष दोनों ने ही स्वागत किया है। एक संवेदनशील संतुलन बनाते हुए न्यायालय ने अधिनियम के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी है। जिसमें एक वह खंड भी शामिल है, जो यह निर्धारित करता है कि पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित कर सकते हैं। हालांकि, न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि अनुमान हमेशा किसी कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होता है। बहरहाल, सत्तारूढ़ भाजपा इस बात से राहत महसूस कर रही है कि अब इस अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किए जाने का खतरा नहीं है। जबकि कांग्रेस का दावा है कि इस कानून के पीछे विभाजनकारी एजेंडा उजागर हुआ है। दरअसल, सरकार ने अप्रैल में लागू किए इस कानून को देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के लिये एक धर्मनिरपेक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से लागू करने की बात कही थी। निस्संदेह, वक्फ बोर्डों पर वर्षों से लग रहे भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, अतिक्रमण, संपत्ति की अवैध बिक्री और हस्तांतरण आदि के आक्षेपों को देखते हुए, प्रशासन में सुधार के लिये नियंत्रण और संतुलन स्थापित करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों को यह आशंका रही है कि तथाकथित सुधारों का दुरुपयोग वक्फ मामलों में हस्तक्षेप करने और यहां तक कि संपत्तियों को जब्त करने के लिये किया जा सकता है। उनकी दृष्टि में एक विवादास्पद प्रावधान केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से संबंधित रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे सदस्यों की संख्या को सीमित करने का प्रयास किया है। कहा गया कि कानून में पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन न हो सके। दरअसल, विगत में विपक्ष आशंका जताता रहा है कि यह अधिनियम ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है और सांप्रदायिक सद्भाव के लिये खतरा बन सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायालय का अंतिम आदेश कानून से जुड़ी ऐसी तमाम आशंकाओं का समाधान कर सकेगा। देश के मौजूदा परिदृश्य में सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिये वक्फ की समृद्ध क्षमता का दोहन करने पर राजनीतिक और धार्मिक सहमति बनाने की आवश्यकता है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला पूरी तरह से तार्किक आधार रखता है, जिसे संतुलन के हस्तक्षेप की संज्ञा दी जा रही है। जिससे मुस्लिम पक्ष की कतिपय आशंकाओं को दूर करने का ही प्रयास हुआ है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत द्वारा किए गए संशोधन में संविधान की मूल भावना का ध्यान रखा गया है। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने उन प्रावधानों पर भी रोक लगायी है, जो जिलाधिकारी या सरकारी अधिकारी को यह तय करने की शक्ति देते थे कि कोई वक्फ संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। दरअसल, शीर्ष अदालत का मानना था कि जिलाधिकारी कार्यपालिका का अंग ही होता है। अगर उसे यह शक्ति दी जाती है तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ होगा। जिसके मूल में यह सोच रही है कि लोकतंत्र के तीन आधारभूत स्तंभों विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन कायम रह सके। जाहिर है कि एक स्तंभ को अधिक शक्तियां मिलने से उसके निरंकुश व्यवहार करने की आशंका बनी रह सकती है। इसके अलावा वक्फ करने के न्यूनतम पांच बरस तक इस्लाम के अनुयायी होने वाले प्रावधान के सत्यापन हेतु राज्य सरकारों से नियम बनाने की जरूरत भी बतायी और तब तक इस प्रावधान पर रोक की बात कही। इस दिशा में राज्य सरकारों को विषय की संवेदनशीलता के मद्देनजर कदम उठाने की जरूरत है। बहरहाल, इस मुद्दे पर विपक्ष व कुछ मुस्लिम संगठनों के विरोध का जो आधार रहा है, उन मुद्दों को संवेदनशील ढंग से संबोधित करने का प्रयास शीर्ष अदालत ने किया है। दरअसल, अदालत ने विधायिका की सीमाओं में हस्तक्षेप किए बिना न्यायिक तार्किकता को प्राथमिकता दी है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 313 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 313.02 अंक उछलकर 82,693.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 91.15 अंक की बढ़त के साथ 25,330.25 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन क्या-क्या हुआ, आइए जानते हैं विस्तार से। घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी टीम के साथ बातचीत की खबरों के बीच लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद हुए। उत्साहित निवेशकों ने आईटी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में मजबूत खरीदारी की। फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच बाजार में तेजी 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 313.02 अंक या 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,693.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 361.26 अंक या 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,741.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

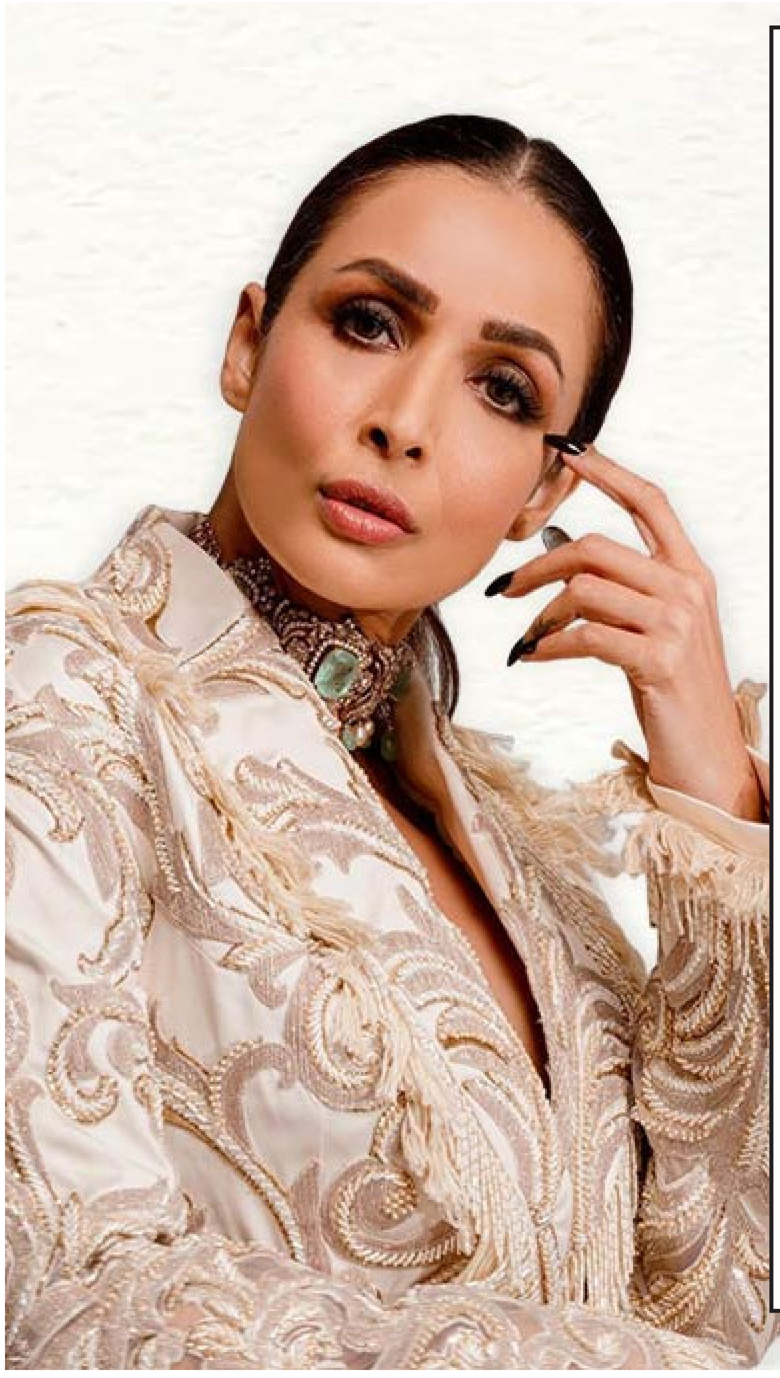

मेरे करियर, कपड़ों और रिश्तों पर हमेशा जज किया गया

मलाइका अरोड़ा ने शेयर किया अपना दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने लुक्स, लाइफस्टाइल और रिश्तों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हालांकि उन्होंने ज्यादा फिल्में नहीं की हैं, लेकिन वह हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं कभी अपने ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर। हाल ही में एक इंटरव्यू में मलाइका ने बताया कि उन्हें उनके हर फैसले पर जज किया गया चाहे वह उनके कपड़े हों, रिश्ते हों या फिर उनका करियर। लोग हमेशा जज करते रहे, अब सफाई देना बंद कर दिया है 51 साल की मलाइका ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अब उन्होंने खुद को लोगों की बातों से आजाद कर लिया है। उन्होंने कहा, मैंने पहले कोशिश की कि लोगों को समझा सकूं कि मैं जो कर रही हूं, वह क्यों कर रही हूं। लेकिन अब मैंने ये सफाई देना बंद कर दी है। अब मैं वही लिख रही हूं, जो मेरी अपनी कहानी है। बहुत बोल्ड, बहुत बिंदास द अब ये लेबल गर्व की बात लगते हैं मलाइका ने कहा कि उन्हें अक्सर कहा गया कि वह बहुत बोल्ड हैं या बहुत आउटस्पोकन हैं। लेकिन अब वह इन शब्दों को अपमान की नजर से नहीं देखतीं, बल्कि गर्व के साथ अपनाती हैं। अगर मैं किसी के लिए ज्यादा हूं, तो शायद वो मेरे लिए कम हैं, उन्होंने ये कहकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। रिश्तों को लेकर भी झेली आलोचना मलाइका ने अरबाज खान से तलाक लेने के बाद अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर काफी ट्रोलिंग झेली। लोगों ने उनके पर्सनल चॉइसेज पर सवाल उठाए। लेकिन अब वह इन सब बातों से ऊपर उठ चुकी हैं। उन्होंने कहा लोग मेरे रिश्तों को लेकर बातें बनाते रहे, लेकिन अब मैं सिर्फ अपने लिए जीती हूं। काम में भी दिखती है उनकी असली जिंदगी मलाइका कहती हैं कि वह ऐसे प्रोजेक्ट चुनती हैं जो उनकी असल जिंदगी से जुड़े होते हैं। हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक ब्रांड के नए कैंपेन व्र्द प्ज का हिस्सा बनकर इसे साबित किया। मैंने कभी कोई तय रास्ता नहीं अपनाया। फैशन हो या फिटनेस द मैंने वही चुना जो मेरे दिल को ठीक लगा। अब मैं किसी और को इंप्रेस करने के लिए नहीं, बल्कि खुद के लिए जी रही हूं। सेल्फ-डाउट से भी गुजरती हूं, लेकिन खुद से दयालु रहना सीखा मलाइका ने यह भी कबूल किया कि वह भी कभी-कभी आत्म-संदेह से गुजरती हैं। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं खुद पर शक करती हूं। लेकिन अब मैंने उन पलों को नकारने की बजाय उन्हें दयालुता से अपनाना सीखा है। मेरे लिए आत्मविश्वास का मतलब ये नहीं कि कभी संदेह न हो द बल्कि इसका मतलब है कि संदेह होने के बावजूद आगे बढ़ना।

पीएम मोदी की बायोपिक मां वंदे का ऐलान

उन्नी मुकुंदन पर्दे पर बनेंगे प्रधानमंत्री, बर्थडे पर जारी हुआ फर्स्ट लुक

17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां बर्थडे है। इस खान दिन पर उनकी बायोपिक का ऐलान किया गया है। प्रोडक्शन बैनर सिल्वर कास्ट क्रिएशंस ने अपकमिंग बायोपिक मां वंदे का ऐलान किया है। मलयालम एक्टर उन्नी मुकुंदन इस फिल्म में पीएम मोदी का किरदार निभाएंगे। मां वंदेश बायोपिक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिंदगी के पूरे सफर को दिखाया जाएगा।इसकी कहानी नरेंद्र मोदी और उनकी मां श्रीमती हीराबेन मोदी के बीच गहरे रिश्ते को भी दिखाएगी। ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और पीएम मोदी के बचपन से लेकर देश के सम्मानित नेता बनने तक के उनके जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाएगी। मां वंदे का निर्देशन क्रांति कुमार सीएच करेंगे। सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी केके सेंथिल कुमार की होगी जो बाहुबली और ईगा जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन काम के लिए जाने जाते हैं। म्यूजिक रवि बसरूर का होगा जबकि एडिटिंग श्रीकर प्रसाद करेंगे। उन्नी मुकुंदनज्यादातर मलयालम फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने साल 2011 मैं ममकंद से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वो मल्लू सिंह, टपातंउंकपजीलंद, गुरुदान जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। साल 2021 में बतौर प्रोड्यूसर डमचचंकपलंद फिल्म के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड जीता था। 2024 में आई उनकी मार्को भी खूब तहलका मचा चुकी है।

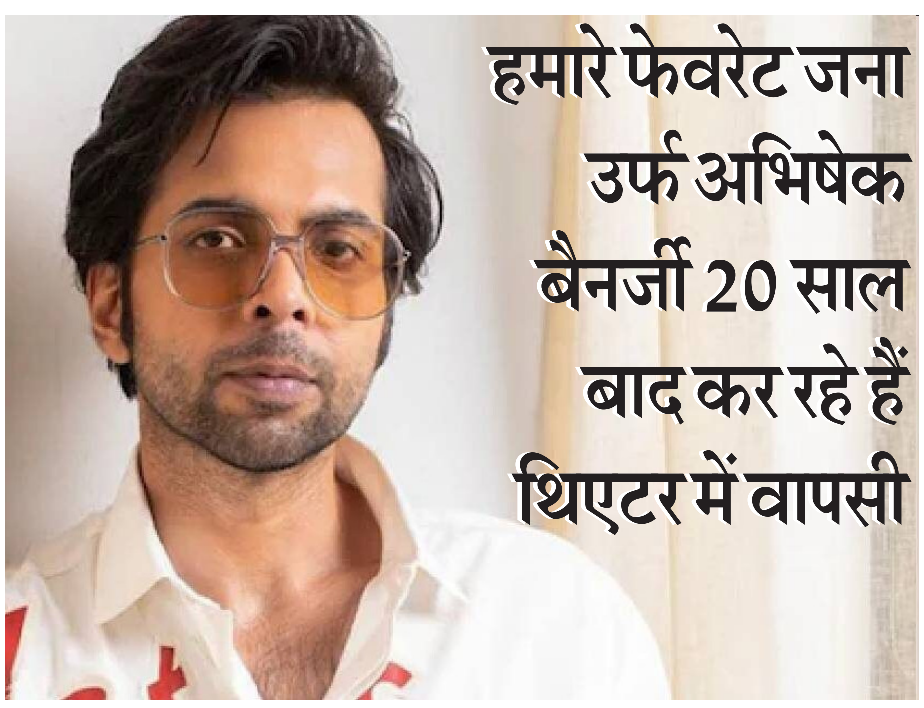

हमारे फेवरेट जना उर्फ अभिषेक बैनर्जी 20 साल बाद कर रहे हैं थिएटर में वापसी

फिल्म स्त्री फ्रेंचाइजी में जना के नाम से मशहूर अभिनेता अभिषेक बनर्जी 20 साल बाद अपनी पहली मोहब्बत-थिएटर-में वापसी करने जा रहे हैं। बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी पहचान बनाने से पहले, अभिषेक ने दिल्ली में स्टेज नाटकों से अपना सफर शुरू किया था। अब दो दशक बाद, वह अपने पुराने थिएटर साथियों के साथ मिलकर तू क्या है नामक व्यंग्यात्मक कॉमेडी का एकल मंचन करेंगे, जो इस महीने मुंबई के मशहूर एनसीपीए में होगा। यह नाटक उन अनगिनत सपने देखने वालों पर एक तीखा व्यंग्य है, जो कलाकार बनने के सपनों के लिए अपने घर और आरामदायक जीवन को पीछे छोड़ देते हैं। उनकी यात्राओं में दर्द, बेतुकापन और संघर्ष के पल शामिल होते हैं, जहाँ त्रासदी और कॉमेडी की रेखा धुंधली हो जाती है। समय के साथ ये संघर्ष किस्सों में बदल जाते हैं, जैसे जिंदगी खुद एक मंचित मजाक हो। इस सोलो परफॉर्मेंस में, अभिषेक अपने ही सफर को व्यंग्य का विषय बनाते हुए महत्वाकांक्षा, समाज और आत्म-मूल्य की खामियों को हास्य और सच्चाई के साथ पेश करते हैं। तू क्या है तीन हिस्सों में बँटा है एक साधारण मध्यमवर्गीय भारतीय घर, जहाँ कला को सिर्फ शौक समझा जाता हैय मुंबई के मनोरंजन जगत की भागदौड़ और मजाकिया अव्यवस्थाय और रात की खघमोशी में गूंजने वाले आंतरिक संघर्ष। अभिषेक बनर्जी ने कहा, थिएटर ने मुझे बतौर कलाकार साँस लेना सिखाया। यह मुझे लय, सच्चाई और बिना डर के असफल होना सिखाता है। पिछले 20 सालों से मैं किरदारों का पीछा कर रहा था, कहानियाँ सुना रहा था और सिनेमा में करियर बना रहा था, लेकिन कहीं न कहीं मंच हमेशा मुझे वापस बुला रहा था। तू क्या है मेरे लिए बहुत व्यक्तिगत है क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आईना है, और शायद उन सबके लिए भी है जिन्होंने कभी खुद से सवाल किया हो। यह उस देर रात की फुसफुसाहट के बारे में है-तू क्या है?- जब रोशनी बुझ जाती है और तालियाँ थम जाती हैं। पुराने थिएटर दोस्तों के साथ मंच पर लौटना एक सर्कल पूरा करने जैसा है, या शायद एक नया शुरू करने जैसा। मेरे लिए यह सिर्फ एक नाटक नहीं है, यह घर वापसी है। तू क्या है हँसी, सोच-विचार और सच्ची कहानी कहने से भरी एक ऐसी शाम का वादा करता है, जहाँ अभिषेक बनर्जी की जबरदस्त मंच मौजूदगी हर दर्शक से जुड़ती है।

नागा चौतन्य से तलाक के बाद काम को तरसी सामंथा रुथ, इंडस्ट्री ने किया ब्लैकलिस्ट! लक्ष्मी मांचू ने दिया हिंट

एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू इस समय अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। लक्ष्मी मांचू ने एक इंटरव्यू में सुपरस्टार और तलाकशुदा एक्ट्रेस के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इस एक्ट्रेस को तलाक के बाद से काम नहीं मिल रहा है। एक्ट्रेस ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि ये और कोई नहीं बल्कि सामंथा रुथ प्रभु है। लक्ष्मी मांचू ने हिंट दिया कि तलाक के बाद से उस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और जो फिल्में थीं वो भी वापस ले ली गईं। लक्ष्मी मंचू के इंटरव्यू की बात करें तो वह बोलीं, श्एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी है, जो यहां काम करती है। उसका तलाक हो गया है, और तब से, उसे जो फिल्में ऑफर हुई थीं वो भी छीन ली गई हैं। उसे यही कहा जाता है कि उसे लिया तो उन्हें (नागा चौतन्य) बुरा लग सकता है और वो कुछ बोल सकते हैं। उसे अच्छे ऑफर्स का इंतजार है और मुझे उसका नाम लेने की जरूरत नहीं है। रिपोर्टर ने जब लक्ष्मी मांचू से सवाल किया कि वह सामंथा की बात कर रही हैं? तो एक्ट्रेस बोलीं- श्आप सोच रहे हैं कि सामंथा ही हैं। कोई एक सुपरस्टार नहीं है। लगभग पांच-छह सुपरस्टार्स का तलाक हो चुका है। और मैं उन सभी के करीब हूं लेकिन मेरा पॉइंट ये है कि अगर किसी पुरुष के साथ ऐसा कुछ होता है तो उसकी जिंदगी कभी नहीं बदलेगी। लेकिन एक महिला जब शादी कर ले और उसके बच्चे हो जाएं ससुरालवाले हों तो उस पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। कोई हमें आजादी नहीं देता। हमें खुद ही सब कुछ सहना पड़ता है। गौरतलब है कि सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चौतन्य से शादी की थी। 2021 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद से सामंथा का करियर लुढ़कने लगा। उन्हें नाम मात्र की फिल्में मिल रही हैं और जो भी रिलीज हुईं वो औसत ही रहीं।

100 करोड़ के पार पहुंची तेजा सज्जा की 'मिराय', फिल्म की स्टारकास्ट ने जताया आभार

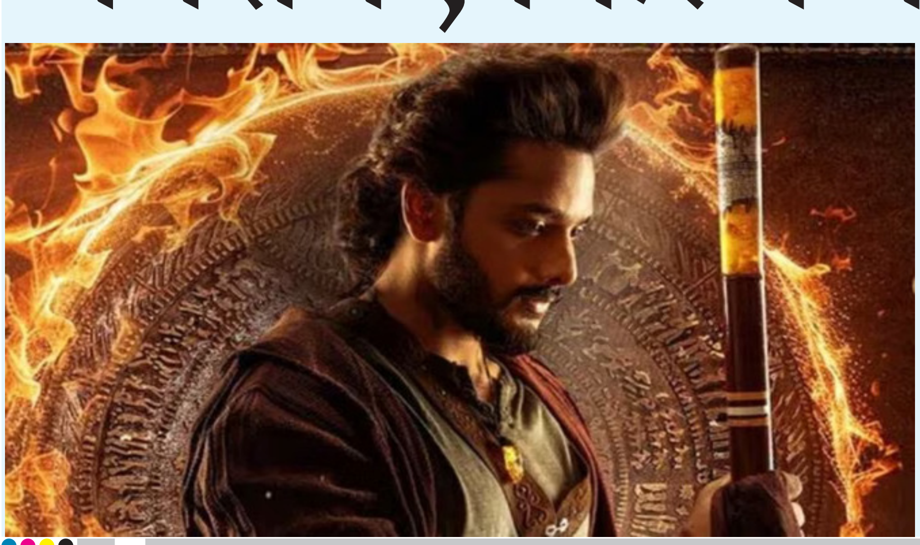

तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराय' का जलवा सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी देखने को मिल रहा है। फिल्म वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 6 दिनों में 100 करोड़ के आकंड़े को पार कर चुकी है। तेलुगु सिनेमा की सुपरहीरो फिल्म मिराय इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 12 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज छह दिनों में ही 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस शानदार सफलता के बाद फिल्म की स्टारकास्ट ने ऑडियंस का आभार जताया है। ओपनिंग से ही बनाया खास रिकॉर्ड रिलीज के पहले ही दिन मिराय ने 13 करोड़ रुपये की जोरदार कमाई की थी। दूसरे दिन यह आंकड़ा बढ़कर 15 करोड़ रुपये पर पहुंचा और तीसरे दिन फिल्म ने 16.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। चौथे दिन 5.96 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का भारतीय नेट कलेक्शन 51.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। शुरूआती चार दिनों के आंकड़े ही साफ कर चुके थे कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लंबी रेस दौड़ने वाली है। फिल्म को मिली वर्ल्डवाइड सफलता सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मिराय को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने छह दिनों में ही वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया। वहीं, नॉर्थ अमेरिका में भी इसने 2 मिलियन डॉलर यानी लगभग 16.6 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। पॉजिटिव रिव्यू और वर्ड ऑफ माउथ फिल्म की सफलता में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। स्टारकास्ट ने जताया फैंस का आभार मुख्य भूमिका निभाने वाले तेजा सज्जा ने सोशल मीडिया पर फैंस को धन्यवाद देते हुए लिखा कि यह सब केवल दर्शकों के प्यार और समर्थन से संभव हुआ है। बता दें कि तेजा की पिछली फिल्म हनु-मान भी 100 करोड़ क्लब में शामिल हुई थी। वहीं, अभिनेता मनोज मंचू ने भी दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि यह केवल एक फिल्म की सफलता नहीं बल्कि अच्छे सिनेमा की जीत है। उन्होंने विशेष तौर पर फैमिली ऑडियंस का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने मिराय को बड़े स्तर पर अपनाया। फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट कार्तिक गट्टामनेनी के निर्देशन में बनी मिराय की कहानी नौ प्राचीन ग्रंथों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन ग्रंथों में ऐसी अद्भुत शक्तियां छुपी हैं जिनसे इंसान देवता बन सकता है। कहानी में दिखाया गया है कि सम्राट अशोक ने इन ग्रंथों को सुरक्षित रखने के लिए अलग-अलग योद्धाओं को जिम्मेदारी सौंपी थी। फिल्म में तेजा सज्जा और मनोज मांचू के साथ रितिका नायक, श्रिया सरन, जगपति बाबू और जयराम जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसे टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म का लेखन और निर्देशन कार्तिक गट्टामनेनी ने किया है और सिनेमैटोग्राफी की कमान भी उन्होंने ही संभाली है। एडिटर श्रीकर प्रसाद और म्यूजिक कंपोजर गौरा हरी ने फिल्म की तकनीकी टीम को और मजबूत बनाया है।

सात्विक और चिराग चाइना मास्टर्स के अंतिम 16 में, लक्ष्य हारकर टूनार्मेंट से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेनजेन हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूनार्मेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जबकि लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पिछले सप्ताह हॉन्गकॉन्ग ओपन में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से हराया। वहीं, हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। इसके साथ ही पुरूष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई चूंकि आयुष शेट्टी पहले ही दौर में हार गए थे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी मिश्रित युगल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 19-21, 13-21 से हार गई। महिला एकल में पी वी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो दूसरी बार अस्पताल में भर्ती

तख्तापलट मामले में सजा के बाद बिगड़ी तबीयत

ब्राजील (एजेंसी)। रियो डी जेनेरियो ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को दूसरी बार अस्पताल ले जाया गया। पिछले हफ्ते तख्तापलट की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उनके बेटे ने बताया कि इस बार उन्हें उल्टियां और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत हुई। दक्षिणपंथी राजनेता बोल्सोनारो को रविवार को भी राजधानी ब्रासीलिया के उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी त्वचा पर घाव पाए गए थे। तब डॉक्टरों ने कहा था कि जांच में पता चला है कि उन्हें आयरन की कमी से एनीमिया है और हाल ही में हुए निमोनिया के लक्षण भी मिले थे। हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की हुई समस्या मंगलवार को बोल्सोनारो को तेज हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, जिसके बाद पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई। उनके बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। पैनल ने 27 साल और तीन महीने की सुनाई है सजा बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बोल्सोनारो को वर्तमान राष्ट्रपति लईज इनासियो लूला दा सिल्वा से 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए अवैध रूप से तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया था। पैनल ने बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की सजा सुनाई। हालांकि, इस सजा के तहत बोल्सोनारो को तुरंत जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत को फैसले की पूरी कॉपी जारी करने में 60 दिन तक का समय लगेगा और इसके बाद बोल्सोनारो के वकीलों को अपील के लिए 5 दिन का समय मिलेगा। बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया हालांकि, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया है और खुद को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका समर्थन किया और मुकदमे को 'विच हंट' बताया। इससे पहले, ट्रंप ने जुलाई में ब्राजील से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसमें बोल्सोनारो का मामला भी एक वजह बताया गया। अगस्त की शुरूआत से ही घर में नजरबंद हैं बोल्सोनारो 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति अगस्त की शुरूआत से ही इस मामले में अपने घर में नजरबंद हैं। मामले की निगरानी कर रहे न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने कहा था कि बोल्सोनारो ने मुकदमे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया है। इसके चलते उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनना पड़ा और उनके घर से निकलने वाले वाहनों की तलाशी और बाहर की निगरानी का आदेश भी दिया गया। 2018 में चाकू लगने के बाद कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके बोल्सोनारो जेयर बोल्सोनारो को 2018 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चुनावी कार्यक्रम में चाकू मार दिया गया था, जिसके बाद से वह कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उनकी आंतों में रुकावट की सर्जरी हुई थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि बोल्सोनारो की खराब सेहत को देखते हुए उनके वकील जेल की बजाय घर में नजरबंदी की सजा बनाए रखने की मांग कर सकते हैं।

ठाणे में हाईवे के पास आदिवासी का शव फेंका; नागपुर में शख्स की मौत निकली हत्या; भाई-भाभी गिरफ्तार

ठाणे/नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में चार लोगों ने पुराने विवाद के बाद एक आदिवासी व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव को समृद्धि राजमार्ग के पास फेंक दिया। इसके अलावा नागपुर में भाई की कथित तौर पर हत्या करने और इसे आकस्मिक मौत का मामला बताने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे में चार लोगों ने पुराने विवाद के बाद एक आदिवासी व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपियों ने शव को समृद्धि राजमार्ग के पास फेंक दिया। शव मंगलवार सुबह मुंबई-नागपुर समृद्धि राजमार्ग पर रतनधाले गांव के पास मिला। शाहपुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों का प्रधानपाड़ा गांव निवासी 47 वर्षीय पीड़ित रामदास गोरखाने के साथ विवाद था। एक तीखी बहस के बाद उन्होंने कथित तौर पर गोरखाने को लात-घूंसों और लाठियों से भी मारा। अधिकारी ने बताया कि जब उनके भतीजे ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें एक तरफ हटने को कहा और पीड़ित को जबरदस्ती एक जीप में डालकर ले गए। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे कुछ राहगीरों को हाईवे के पास शव मिला। पुलिस ने बताया कि बाद में शव को फोरेंसिक जांच के लिए मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकेश धागे ने बताया कि पीड़िता के भतीजे की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और सुनील निमसे नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख

बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनोरेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था। सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, मोनोरेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनोरेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है। सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनोरेज गौरतलब है कि मोनोरेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनोरेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरूआती गवाही में कहेंगी, 'दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व

निर्धारित परिणामों से।' जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरूआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है, जिसमें कोविड-19, हेपेटाइटिस बी और चिकनपॉक्स के टीकों पर चर्चा होगी।

वैंकूवर दूतावास घेरने की खालिस्तानी साजिश, भारतीय उच्चायुक्त की आपत्तिजनक फोटो भी बनाई

वैंकूवर (कनाडा) (एजेंसी)। अमेरिका से संचालित होने वाले खालिस्तानी संगठन' 'सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ)' ने एक बार फिर भारत का विरोध किया है। कनाडा के वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के घेराव की साजिश रचने वाले इस संगठन के लोगों ने दूतावास के अधिकारी की आपत्तिजनक तस्वीर भी बनाई है। एसएफजे की धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत और कनाडा अपने राजनयिक संबंध सामान्य करने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। संभावित विरोध की इस खबर के मुताबिक खालिस्तान समर्थक इस संगठन ने एलान किया है कि गुरुवार को वाणिज्य दूतावास पर कब्जा कर लेंगे। भारतीय मूल के कनाडाई नागरिकों से दूतावास आना स्थगित रखने की अपील भी की गई है। भारतीय उच्चायुक्त की आपत्तिजनक तस्वीर भी बनाई इस संबंध में आई रिपोट्र्स के मुताबिक रत्न्नख ने एक पोस्टर भी जारी किया है। इसमें भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के चेहरे पर निशाना साधते हुए दिखाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया है कि भारतीय वाणिज्य दूतावास कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की निगरानी कर रहा है। एसएफजे ने जासूसी नेटवर्क चलाने जैसे मनगढ़ंत, बेबुनियाद और बेतुके आरोप भी लगाए हैं। पूर्व पीएम ट्रूडो के बयान की आड़ में निज्जर की हत्या का उल्लेख इस संगठन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक करीब दो साल पहले 18 सितंबर 2023 को तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने देश की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में 'भारतीय एजेंटों की कथित भूमिका' की जांच कराने की बात कही थी। पूर्व प्रधानमंत्री के बयान के करीब दो साल बाद सितंबर माह में ही प्रस्तावित विरोध को लेकर भारत विरोधी संगठन- एसएफजे ने कहा, दो साल बाद भी भारतीय वाणिज्य दूतावास कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह अभियान चलाने वालों को निशाना बना रहे हैं।

नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल पर दिए जीवन के संकेत, संभावित बायोसिग्नेचर और जैविक कार्बन भी खोजा

नई दिल्ली/वाशिंगटन (एजेंसी)। ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन जेजेरो क्रेटर का महीन चट्टानों से भरा क्षेत्र है। ये चट्टानें अरबों वर्ष पूर्व बहते पानी से बनी थीं। यहां रोवर ने लोहे का ऑक्साइड, फास्फोरस, सल्फर और सबसे खास जैविक कार्बन खोजा। जैविक कार्बन जीवन का आधार है। जांच में कई अनोखी आकृतियां सामने आईं। मंगल पर जीवन के कुछ और संकेत मिले हैं। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने जेजेरो क्रेटर के ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन क्षेत्र में ऐसे रासायनिक-खनिज संकेत दर्ज किए हैं। इन्हें वैज्ञानिक बायोसिग्नेचर मान रहे हैं। बायोसिग्नेचर उन भौतिक, रासायनिक या संरचनात्मक संकेतों को कहते हैं जो बताते हैं कि कभी किसी ग्रह पर जीवन की गतिविधि हुई होंगी। यह जीवन के पक्के सबूत नहीं हैं, लेकिन यदि यह साक्ष्य सूक्ष्म जीवों से जुड़ा निकला तो इतिहास की बड़ी खोज साबित हो सकता है। ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन जेजेरो क्रेटर का महीन चट्टानों से भरा क्षेत्र है। ये चट्टानें अरबों वर्ष पूर्व बहते पानी से बनी थीं। यहां रोवर ने लोहे का ऑक्साइड, फास्फोरस, सल्फर और सबसे खास जैविक कार्बन खोजा। जैविक कार्बन जीवन का आधार है। जांच में कई अनोखी आकृतियां सामने आईं। छोटे गोल दाने (पॉप्पी सीड्स) व धब्बेदार पैटर्न (लेपर्ड स्पॉट्स) में विवियनाइट व ग्रेगाइट जैसे खनिज पाए गए, जो पृथ्वी पर पानी से भरे, कम तापमान वाले वातावरण में बनते हैं।

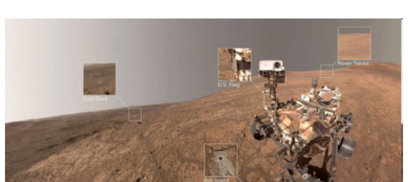

'खाना-शौचालय कुछ नहीं, जॉर्जिया में मवेशी सा बर्ताव'; पर्यटक ने बताया 56 भारतीयों का दर्द

जॉर्जिया (एजेंसी)। जॉर्जिया में हालात बेहद दयनीय हैं। ये कहना है एक भारतीय महिला पर्यटक का। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कड़वे अनुभवों को साझा करते हुए कहा है कि इस देश में न तो खाने-पीने के सामान उपलब्ध हो रहे हैं न शौचालय जैसी बुनियादी चीजें नसीब हो रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखे अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय का आधिकारिक हैंडल, विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर, भारतीय दूतावास, पीएम मोदी के हाथों सम्मानित हो चुकीं सेलिब्रिटी कर्ली टेल्स समेत कई लोगों को टैग किया है। उन्होंने कहा है कि हाड़ कंपाने वाले सर्द मौसम में उन्हें पांच घंटे तक बिना खाने और शौचालय के इंतजार कराया गया। '56 भारतीयों को सीमा पर अमानवीय हालात झेलने पड़े' भारतीय पर्यटकों के साथ अपमानजनक व्यवहार के इस मामले में इंस्टाग्राम यूजर ध्रुवी पटेल(@स्त्रंइी'ीं१४५ीी) ने आरोप लगाया कि 56 भारतीय यात्रियों को आर्मेनिया से जॉर्जिया प्रवेश करने के दौरान सीमा पर अमानवीय हालात झेलने पड़े। उन्होंने कहा कि वैध ई-वीजा और दस्तावेज दिखाने के बावजूद अधिकारियों ने उन्हें सादाखलो बॉर्डर पर कई घंटें तक रोके रखा। जमा देने वाली ठंड में बिना भोजन और शौचालय के इंतजार पटेल के मुताबिक भारतीय समूह को 5 घंटे से अधिक वक्त जमा देने वाली ठंड में बिना भोजन और शौचालय के इंतजार कराया गया। अधिकारियों ने पासपोर्ट दो घंटे से ज्यादा जब्त रखे। यात्रियों को सड़क किनारे 'मवेशियों' की तरह बैठा कर रखा गया। अधिकारियों ने वीजा को 'गलत' बताकर अपमानजनक व्यवहार किया जॉर्जिया की इस चिंताजनक घटना को लेकर भारतीय महिला ध्रुवी यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने यात्रियों के वीडियो इस तरीके से रिकॉर्ड किए जैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। जब पर्यटकों के समूह में शामिल किसी ने वीडियो बनाने की पहल की तो उन्हें रिकॉर्डिंग करने से रोका गया। उन्होंने कहा, दस्तावेजों की ठीक से जांच किए बिना वीजा को 'गलत' कहकर अपमानजनक व्यवहार किया गया। पीएम मोदी और विदेश मंत्री डॉ जयशंकर से कड़ा एक्शन लेने की मांग जॉर्जिया में मिले दर्दनाक अनुभवों को अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा करने वाली भारतीय महिला ध्रुवी पटेल ने इंसाफ की आस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाते हुए कहा, भारत को इस मामले में कड़ा रुख अपनाना चाहिए। जॉर्जिया में भारतीय लोगों के साथ किया गया व्यवहार। शर्मनाक और अस्वीकार्य है। इस मामले पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने किए ऐसे कमेंट्स बता दें कि सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आए ये चौंकाने वाले दावे और जॉर्जिया की यह घटना उस समय चर्चा का विषय बनी जब कई अन्य यूजर्स ने भी पटेल के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। जिन लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, उनमें से एक यूजर ने लिखा, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जॉर्जिया में लंबे समय से भारतीयों के साथ ऐसा बर्ताव हो रहा है। एक अन्य ने सवाल पूछा कि जब यह समस्या लगातार बनी हुई है, तो भारतीय पर्यटक ऐसे देश में लगातार क्यों जा रहे हैं? कई कमेंट्स में इस देश में कथित नस्लीय भेदभाव की तरफ भी संकेत किया गया। लोगों का कहना है कि जॉर्जिया की सरकार भारतीयों के साथ भेदभाव करती रही है।

पत्नी मेलानिया संग ब्रिटेन पहुंचे ट्रंप, दूसरी बार राजकीय यात्रा पर जाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप मंगलवार शाम लंदन पहुंचे। यहां स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पर उतरने के बाद ट्रंप दंपति का स्वागत अमेरिका के ब्रिटेन स्थित राजदूत वॉरेन स्टीफन्स और किंग चार्ल्स तृतीय के प्रतिनिधि वाइस्काउंट हेनरी हूड ने किया। राष्ट्रपति ट्रंप का यह दौरा 17 से 19 सितंबर के बीच होगा। गौरतलब है कि ट्रंप की यह ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा है और ऐसा करने वाले ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं। ट्रंप के ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला विंडसर कैसल में ट्रंप का स्वागत करेंगे। ब्रिटेन में पहुंचने के बाद ट्रंप ने किंग चार्ल्स की तारीफ भी की। साथ ही कहा कि वे लंबे समय से मेरे मित्र रहे हैं, और उन्हें राजा के रूप में देखना मेरे लिए सम्मान की बात है। वे शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा यात्रा के दौरान

ट्रंप दंपति का बुधवार सुबह दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के बर्कशायर स्थित विंडसर के मैदान में वेल्स के राजकुमार और राजकुमारी विलियम और केट द्वारा औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे सामूहिक रूप से किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला से मुलाकात करेंगे। बकिंघम पैलेस ने इस बारे में एक बयान भी जारी किया है। इसमें कहा गया है कि किंग और क्वीन औपचारिक रूप से राष्ट्रपति और प्रथम महिला का स्वागत करेंगे। वहीं, विंडसर कैसल के पूर्वी लॉन और लंदन के टॉवर से शाही सलामी दी जाएगी। इसके बाद, ट्रंप दंपत्ति, किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला, तथा वेल्स के राजकुमार और राजकुमारी के साथ, विंडसर एस्टेट से होते हुए महल की ओर एक पारंपरिक स्वर्ण-मंडित गाड़ी जुलूस में शामिल होंगे। हाउसहोल्ड कैवलरी माउंटेड रेजिमेंट, जुलूस के लिए एक संप्रभु अनुरक्षक दल प्रदान करेगी, जिसके मार्ग पर ब्रिटिश सशस्त्र बलों के सदस्य और रॉयल मरीन, सेना और रॉयल एयर फोर्स (फ्अत्र्) के तीन सैन्य बैंड होंगे।

यमन के बंदरगाह पर इस्राइल का हमला

हूती विद्रोहियों का एयर डिफेंस भेदने को की कार्रवाई

यमन (एजेंसी)। यमन के हुदेदा बंदरगाह पर इस्राइल ने हमला किया है। हूती विद्रोहियों का एयर डिफेंस भेदने को की गई इस कार्रवाई में सैन्य ढांचे को निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है। हूती विद्रोहियों के प्रवक्तायहया सारी ने बताया कि उनकी वायु-रक्षा प्रणाली के कारण इस्राइली विमानों को पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि एयर डिफेंस सिस्टम से मिली चुनौती के कारण इस्राइली सेना के कुछ विमानों को यमन की वायुसीमा से पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। हमले की योजना बनाने वाली जगह पर इस्राइली सेना के हवाई हमले इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह पर 'सैन्य ढांचे' को निशाना बनाया। इस्राइल के मुताबिक यमन की इस जगह का इस्तेमाल ईरान से हथियारों की आपूर्ति और इस्राइल के अलावा उसके सहयोगियों पर हमले की योजना बनाने के लिए होता है। पिछले हफ्ते भी इस्राइल ने हमला किया था, 31 लोगों की हुई थी मौत बंदरगाह हमला ऐसे समय में हुआ जब यमन की राजधानी सना में पिछले हफ्ते इस्राइली हमले में 31 लोगों के मारे जाने के बाद उनके अंतिम संस्कार संबंधी गतिविधियां हो रही थीं। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली हमलों में दर्जनों लोग मारे गए थे। हताहत होने वाले लोगों में पत्रकारों के अलावा आम नागरिक भी शामिल थे। बीते हफ्ते इस्राइल ने जो हमले किए

इसमें यमन के सैन्य मुख्यालय, ईंधन स्टेशन और आवासीय इलाकों के अलावा राष्ट्रीय संग्रहालय और जव्फ प्रांत की राजधानी हज्म के कई सरकारी भवनों को भी भारी नुकसान हुआ। हूती विद्रोहियों के इन ठिकानों पर इस्राइल ने किए सटीक हमले पिछले सप्ताह इस्राइल के हमले से पहले हूती विद्रोहियों ने इस्राइल की तरफ एक ड्रोन लॉन्च किया था। यह दक्षिणी हिस्से में एक हवाई अड्डे से टकरा गया था। इस हमले में खिड़कियों के शीशे टूटे थे, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने पलटवार किया। उसने दावा किया कि हूती विद्रोहियों के खुफिया केंद्र, ईंधन भंडार और मीडिया प्रचार विभाग पर सटीक निशाना साधा गया। अंतिम संस्कार से जुड़ी तस्वीरें यमन के अल-मसीरा टीवी पर दिखाई गईं। बारिश के बीच शवयात्रा और मस्जिद में नमाज-ए-जनाजा हुई। खराब मौसम के कारण लोग कम दिखे लेकिन अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद लोगों ने इस्राइली हमले में 31 लोगों की मौत को देश के लिए 'बहुत बड़ी क्षति' बताया। इस्राइल के खिलाफ हमलों के समर्थन में हूती क्या तर्क दे रहे हैं?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।